मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 170
शनिवार, 04 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

मैं भी शीशमहल बना सकता था, लेकिन गरीबों को पक्का घर देना मेरा सपना: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (3 जनवरी) दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और कहा कि मैंने 4 करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपनों को पूरा किया और अपने लिए कभी घर नहीं बनाया। उन्होंन तंज भरे लहजे में कहा कि चाहता तो 'शीश महल' मैं भी बनवा सकता था। दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और शहर के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए, पीएम ने सत्तारूढ़ पार्टी को आपदा करार दिया।

दिल्ली में झुग्गीवासियों के लिए आवास परियोजना की शुरूआत करते हुए पीएम ने कहा, 'मैं शीशमहल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए मेरा सपना था कि मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले।' आप पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने शराब घोटाला, स्कूल घोटाला और प्रदूषण घोटाला किया है। वे खुलेआम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और इसे प्रचारित भी कर रहे हैं। यह दिल्ली के लिए एक आपदा है, और निवासियों ने इस आपदा के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने दावा किया कि दिल्ली एक सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे'।

नक्सलियों के खिलाफ जारी है अभियान, मुठभेड़ में तीन को किया गया ढेर

गरियाबंद, 03 जनवरी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को तीन नक्सलियों को मार गिराया।

डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर लिया था। कथित तौर पर, छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों के लगभग 300 सुरक्षा बल इस ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस अधीक्षक (एएसपी) जितेंद्र चंद्राकर ने कहा कि सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान सेना ने तीन नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने तीनों के शव बरामद कर लिए हैं। तलाशी के दौरान हथियार भी बरामद हुए हैं। फिलहाल

जवानों की टीम मौके पर है। मारे गए नक्सलियों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

संभावना जताई जा रही है कि इन नक्सलवादियों के सिर पर बड़ा इनाम हो सकता है. नक्सलियों के शवों को मुख्यालय लाकर उनकी पहचान की जायेगी। 23 दिसंबर को नक्सलियों के साथ गोलीबारी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो कोबरा कमांडो घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी तब हुई जब बल छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के वन क्षेत्र में स्थापित एक अग्रिम अड्डे की सुरक्षा कर रहे थे।

यह घटना सीआरपीएफ के गोमगुडा फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) पर हुई। अधिकारियों के अनुसार, घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे सामने आई जब कोबरा 206 बटालियन सुदूर जंगली इलाके में नए स्थापित बेस की सुरक्षा कर रही थी।

फडणवीस सरकार ने किया नौकरशाही में बड़ा बदलाव, 12 आईएस अधिकारियों के किये तबादले

मुंबई, 03 जनवरी। महाराष्ट्र सरकार ने 12 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का तबादला कर दिया, जिनमें मिलिंद म्हैस्कर भी शामिल हैं, जिन्हें वन और राजस्व विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग में एसीएस रहे म्हैसकर की जगह निपुण विनायक को नियुक्त किया गया है। वेणुगोपाल रेड्डी को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में एसीएस नियुक्त किया गया है. जितेंद्र डूडी की जगह संतोष पाटिल सतारा के नए कलेक्टर हैं, जिन्हें सुहास दिवसे की जगह पुणे कलेक्टर नियुक्त किया गया है।

दिवासे पदोन्नत किया गया है, पुणे कलेक्टर थे जब विवादास्पद पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर जिले में कार्यरत थीं। 2023 बैच की खेडकर पर अपना चयन सुनिश्चित करने के लिए धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और विकलांगता कोटा लाभ लेने का आरोप लगाया गया था। विकास चंद्र रस्तोगी कृषि विभाग में नए प्रमुख सचिव हैं, जबकि आईए कुंदन को उद्योग, ऊर्जा और श्रम विभाग में प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। जयश्री भोज को खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि एचएस सोनावणे को खेल और युवा कल्याण विभाग में आयुक्त बनाया गया है।

कांग्रेस को बीजेपी का जवाब, 11 जनवरी से संविधान गौरव अभियान

नई दिल्ली, 03 जनवरी। भाजपा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस से पहले संविधान का जश्न मनाने और इसके मूल्यों और इसके निमार्ता बीआर अंबेडकर की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक पखवाड़े भर का अभियान शुरू करेगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस बात दी जानकारी दी है। देश के मार्गदर्शक दस्तावेज के मूल्यों को कमजोर करने के कथित प्रयासों के लिए विपक्षी दलों के लगातार हमलों के बाद, यह अभियान खुद को संविधान के चैंपियन के रूप में पेश करने के लिए सत्तारूढ़ दल के जवाबी अभियान को आगे बढ़ाने का प्रतीक है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रव्यापी अभियान- संविधान गौरव अभियान- 11

जनवरी को शुरू किया जाएगा, जिसमें अनुसूचित जाति (एससी) की महत्वपूर्ण आबादी वाले जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पार्टी ने अभियान का नेतृत्व करने के लिए अपने तीन राष्ट्रीय महासचिवों - विनोद तावड़े, तरूण चुघ और दुष्यन्त कुमार गौतम को तैनात किया है। तावड़े को इसका संयोजक नामित किया गया है।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा सभी राज्यों की राजधानियों और अन्य शहरों में कम से कम 50 कार्यक्रम आयोजित करेगी, इसके अलावा स्थानीय स्तर पर कई अभ्यास आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की विभिन्न शाखाएं संवैधानिक मूल्यों को उजागर करने के लिए छात्रों तक भी पहुंचेंगी। अभियान पर पार्टी के संचार में विशेष ध्यान देने के लिए पर्याप्त एससी आबादी वाले जिलों को चिह्नित किया गया है। भारत के विपक्षी गुट ने पिछले साल लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान संविधान को कमजोर करने के भाजपा के कथित प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया था, एक ऐसा विषय जिसने मतदाताओं के एक वर्ग को प्रभावित किया, जिसके कारण सत्तारूढ़ दल को कुछ राज्यों में अप्रत्याशित नुकसान उठाना पड़ा और संसद के निचले सदन में अपना बहुमत खोना पड़ा। हालाँकि, अपने सहयोगियों के साथ, भगवा पार्टी ने आरामदायक बहुमत हासिल कर लिया। संसद के शीतकालीन सत्र में भारत के संवैधानिक प्रावधानों पर बहस हुई। शाह ने विपक्षी दलों पर उनके भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने इस बात पर जोर दिया कि यह कांग्रेस ही है जिसने बार-बार अंबेडकर का अपमान किया है। सूत्रों ने कहा कि भाजपा नेता अभियान के दौरान अंबेडकर के योगदान पर भी प्रकाश डालेंगे।

अजय कुमार भल्ला ने ली मणिपुर के 19वें राज्यपाल के तौर पर संभाली कमान

मणिपुर, 03 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उन्हें संवैधानिक पद पर नियुक्त करने के एक महीने बाद पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने शुक्रवार को इंफाल के राजभवन में मणिपुर के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। भल्ला को मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार ने पद की शपथ दिलाई। भल्ला ने असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य का स्थान लिया, जो मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। भल्ला, जिन्हें सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह सचिव के रूप में सेवा करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है, ने पिछले साल अगस्त में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। उन्होंने मणिपुर राइफल्स के जवानों द्वारा

दिए गए गार्ड ऑफ ऑनर का भी निरीक्षण किया। भल्ला असम-मेघालय कैडर के 1984 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। भल्ला पंजाब के जालंधर के रहने वाले हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष थ स्टेब्रता, पूर्व मुख्यमंत्री इबोबी सिंह, शीर्ष रैंक के मणिपुर पुलिस राजीव सिंह, राज्य के कैबिनेट मंत्री, विधायक और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेशर बम में विस्फोट होने से तीन जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में प्रेशर बम में विस्फोट होने से सुरक्षाबल के तीन जवान घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तोड़का गांव के करीब प्रेशर बम में विस्फोट होने से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवान घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि आज डीआरजी के दल को माओवादी विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। दल जब अभियान से वापस हो रहा था तब तोड़का गांव के करीब माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम में विस्फोट हो गया। इस घटना में तीन जवान घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद जवानों को वहां से बाहर निकाला गया तथा स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया।

दिल्ली में सीएम आतिशी को चुनौती देंगी अलका लांबा, कांग्रेस ने कालकाजी से दिया टिकट

नई दिल्ली, 03 जनवरी। कांग्रेस ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा को कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतारा। लांबा को आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ मैदान में उतारा गया है। एआईसीसी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति ने 51- कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से दिल्ली विधान सभा के आगामी आम चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अलका लांबा की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है।

लांबा ने इसके बाद कहा कि मैं इस अवसर के लिए पार्टी को धन्यवाद देता हूं। मैं चौथी बार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहा हूं. पहले तो यह तय हो जाना चाहिए कि वह सीएम हैं या अस्थायी सीएम। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने उन्हें अस्थायी सीएम बताया। उन्होंने संवैधानिक पद और उस पद पर बैठी एक महिला का अपमान किया है। मेरी लड़ाई दिल्ली की खतरनाक हवा, प्रदूषित यमुना और अपराध के खिलाफ है।

इससे पहले कांग्रेस ने दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए 26 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की थी जिसमें एक प्रमुख नाम दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर फरहाद सूरी का है जिन्हें जंगपुरा से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा गया है। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री आसिम अहमद खान को मटिया महल और पूर्व विधायक देवेंद्र सहरावत को बिजवासन से टिकट दिया गया है। ये दोनों नेता आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

कांग्रेस ने गत 12 दिसंबर को 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें सबसे प्रमुख नाम पूर्व सांसद संदीप दीक्षित का था, जिन्हें नयी दिल्ली से उम्मीदवार बनाया गया है। वह पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनौती देंगे। कांग्रेस ने दूसरी सूची में अपने दलित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश लिलोठिया को भी उम्मीदवार बनाया है।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

-ललित गर्ग-

-ललित गर्ग

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे है? देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगा, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है।

नया भारत बनाने के लिए, शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के जरिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का निर्योजित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रगति करने की इच्छा भी बढ़ती है, अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, असमानता और सांप्रदायिकता आदि से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। शिक्षा एक ऐसे लोकतंत्र को सुनिश्चित करती है जिसमें एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज शामिल हो। यह आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान में भी मदद करता है और कई नौकरी और रोजगार के अवसरों का निर्माण सुनिश्चित करता है। एक सभ्य शिक्षा प्रणाली विचारों, ज्ञान और अच्छी प्रथाओं का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। यह अपराध और आतंकवाद को कम करने में मदद करता है; इस प्रकार, कानून और व्यवस्था के मुद्दों को नियंत्रण में रखा जाता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ-साथ भाईचारे की भावना को बढ़ाने में मदद करती है।

भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

आखिर क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

-डॉ सत्यवान सौरभ

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमजोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमजोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर $75 बिलियन के करीब पहुंच गया।

टैरिफ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ चेतावनी ने बाजार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमजोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाजार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसंबर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमजोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बन्धी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निर्माताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमजोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है।

2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमजोर हुआ।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ। मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाजार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं।।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमजोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं।

बाह्य लचीलेपन को मजबूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते करके अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मजबूत भंडार बनाएँ।

रिजर्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें। भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मजबूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर जोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी।

जल संकट का अंतरराष्ट्रीय भयावह स्वरूप, आने वाली पीढ़ी के लिए जल सहेजना जरुरी

संजीव ठाकुर

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है 'अतः मात्र 3% जल ही पीने के योग्य है। इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध non-governmental ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25% जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1% से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1% से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

यातायात नियम पालन संस्कार : नूतन वर्ष का एक अभिनव संकल्प

_- राजकुमार जैन

गुजरते साल की अंतिम रात्रि को हम नव वर्ष की पेशवाई जोशो खरोश से करते हैं। नये साल के पहले दिवस, एक जनवरी की पहली सुबह कोई ना कोई न्यू ईयर रिजालूशन या नये साल का कोई अभिनव संकल्प लेकर उस पर अमल करने का भरसक प्रयास भी करते है। नए साल के स्वागत और सम्मान में प्रण लेने की इस परंपरा में, इस वर्ष हमें यातायात नियमों के पालन की प्रतिज्ञा लेने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि वर्तमान में, देश का प्रत्येक नागरिक रोजाना हो रही सड़क दुर्घटना से भयभीत है और नियमित लग रहे ट्रेफिक जाम की गंभीर चुनौती से बुरी तरह त्रस्त है। यह समस्या अन्य मूलभूत आवश्यकताओं जैसे रोटी, कपड़ा, मकान, सड़क, बिजली, पानी और रोजगार आदि से भी बड़ी हो चुकी है। इन काबू से बाहर जाते हालातों के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार है, यातायात नियमों के प्रति हमारी उदासीन प्रकृति और उनके उल्लंघन की हमारी प्रवृती। तो क्यों ना इस वर्ष इस सदी की सबसे बड़ी समस्या को हल करने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया जाए। देश का प्रत्येक नागरिक शपथ ले कि वो यातायात नियमों की जानकारी लेगा और उनका पालन भी करेगा। प्रत्येक वाहन चालक अनिवार्य रूप से एक व्यक्तिगत लक्ष्य के रूप में पूरे वर्ष जिम्मेदार ड्राइविंग को सर्वोच्च वरीयता देगा।

प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अपने अपने धर्म के अनुसार गभार्धान से लेकर निधन तक कई संस्कार सम्पन्न होते है। लेकिन जिस समय इन संस्कारों की रचना की गई थे उस समय यातायात की समस्या सामने नहीं थी अन्यथा यातायात नियम पालन संस्कार भी धार्मिक और सामाजिक परंपराओं का अनिवार्य अंग होता और उनका उल्लंघन पाप की श्रेणी में रखा जाता। अपने जीवन में सड़क सुरक्षा के इस संस्कार को अपनाकर और यातायात नियमों का सजगतापूर्वक पालन करके आप स्वयं और दूसरों की जीवन रक्षा करने में अतुलनीय योगदान दे सकते हैं।

यूं तो नए साल पर लिए जाने वाले अधिकतर संकल्प व्यक्तिगत होते हैं और अक्सर सिर्फ.उन्हें लेने वाले व्यक्ति के जीवन को ही प्रभावित करते हैं। लेकिन यातायात नियम पालन संकल्प उन सबसे अलग और अधिक महत्व रखता है क्योंकि यह संकल्प परिवार और दोस्तों के साथ साथ शहर के हर नागरिक को प्रभावित करता है। तो इस नए साल 2025 में देश के समस्त नागरिकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वो अपने परिवार में यातायात नियम पालन संस्कार को एक अनिवार्य संस्कार के रूप में मान्यता देंगे और उनके उल्लंघन को एक गंभीर पाप समझेंगे।

वस्तुतः यही वो सटीक और प्रभावशाली उपाय है जो हम सबको इस जानलेवा समस्या से बड़ी हद तक मुक्ति दिलवा सकता है। हमेशा यातायात नियमों का पालन करने का नव वर्ष का संकल्प लेने का अर्थ है सड़क सुरक्षा नियमों का निरंतर पालन करने की प्रतिबद्धता, जैसे गति सीमा का पालन करना, लाल बत्ती पर रुकना, टर्न इंडीकेटर का उपयोग करना, लेफ्ट टर्न को खाली रखना, अन्य वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना, सतर्क रहना, वाहन का रखरखाव अच्छी तरह से करना, रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों का अभ्यास करना, सड़क पर दूसरों के प्रति शिष्टता बरतना, लेन कटिंग नहीं करना, येन केन प्रकरेण ओवरटेक नहीं करना, बेवजह हॉर्न नहीं बजाना, नियत स्थल पर वाहन पार्क करना, दुर्घटना होने पर मारपीट नहीं करना, नशा कर वाहन नहीं चलाना, रांग साईड में वाहन नहीं चलाना, क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाना, शहर के अन्दर हाइ बीम लाईट बंद रखना, वाहन चलाते समय मोबाईल और अन्य उपकरणों के उपयोग से परहेज रखना, हेलमेट पहनना, सड़क पर ध्यान केंद्रित रखना, स्टॉप लाईन पर गाड़ी रोकना, जेब्रा क्रासिंग से सड़क पार करना, समुचित समय पूर्व गंतव्य पर जाने के लिए निकलना, पूरे समय सीट बेल्ट लगाकर रखना, लाल बत्ती होने पर अपने आगे वाले गाड़ी से चिपककर निकलने का प्रयास नहीं करना, आदि, । इन सब नियमों का नियमित रूप से पालन कर हम शहर के ट्रेफिक को बड़ी हद तक सुगम बना सकते हैं और सड़क दुर्घटना दर में कमी लाकर सम्पूर्ण मानवता की बड़ी सेवा कर सकते हैं।

लक्ष्य यह होना चाहिए कि जिम्मेदारी से वाहन चलाने को एक नियमित आदत बनाया जाए, न कि केवल कभी-कभार दिखावे के लिए किया जाने वाला कार्य। अपने इस दायित्व पूर्ण संकल्प पर अभिमान कीजिए और इसे अपने मित्रों और परिवार के साथ साझा कीजिए। अपने इस जीवनदायी संकल्प को अपने सोशल मीडिया पर शेयर कीजिए। रोजाना अपनी प्रगति के बारे में खुद को और दूसरों को भी बताईए। रोजाना अपने अनुभव के बारे में लिखिए, ऐसा करना आपको स्वयं के प्रति जवाबदेह बनाएगा और पूरे साल आपके लक्ष्य को पूरा करने में आपकी मदद करेगा। तय मानिए कि साल के अंत में आप अपने आप पर गर्व महसूस करेंगे।

पहाड़ो पे है बर्फबारी, मैदानों में बढ़ी ठारी

-विक्रम दयाल

समुद्र तल से अधिक से अधिक उँचाई वाले स्थानों पर अक्सर बर्फबारी होती रहती है और वे इलाके हर समय मैदानी इलाकों की तुलना में सदा ठंडे ही बने रहते हैं. शरद ऋतु में तो मैदानी क्षेत्रों में और पहाड़ी क्षेत्रों में ठड़ का ही माहौल बना रहता है. पहाडो.से लेकर मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग ठंड से बचने के लिए रजाई, कंबल, स्वैटर-मफलर, कोट कंटोप, इत्यादि गर्म ऊनी कपड़ो को पहनने लगते हैं. पहाड़ों पर रहने वाले लोग अपने घरों को गर्म रखने के लिए हीटरों का इस्तेमाल करने लगते हैं. हाथ और पैर को गरम रखने के लिए लकड़ियाँ जला कर लोग रखने लगते हैं. पहाड़ों पर बर्फ पड़ने की वजह से पीने का पानी भी जमने लगते हैं. लोग बर्फ को ही पिघलाकर पीने के लिए पानी तैयार करते हैं. क्यों कि बर्फबारी की वजह से ही सफेद चादर ओढ़े हुए पहाड़, पहाडों पर बने पहाड़ी लोगों के छोटे बड़े मकान, घर सब बर्फ से ढ़ँक जाते हैं और पेड़ पौधे सब बर्फ से ही एक दो फुट तक ढ़ँके रहते हैं. बर्फबारी के कारण पहाड़ों पर बनी सड़कें और रास्ते भी बर्फ से ही ढ़ँक जाते हैं. चारो तरफ बर्फ ही बर्फ दिखाई देता है. मानों बर्फ की सफेद चादरों में लिपटी पूरी की पूरी पहाड़ी प्रकृति सूर्य की चमक को भी जमीन पर आने के लिए रोके रखी हो. पहाड़ों पर रहने वाले लोगो का जीवन मैदानी क्षेत्रों की अपेक्षा काफी कष्टप्रद बन जाता है. शरद ऋतु में पहाड़ जम जाते हैं और मैदानी भाग ठंड से कापने लगते हैं. बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तराखंड, जम्बू कश्मीर, श्रीनगर, गांदरवल, सोनमर्ग, हिमांचल प्रदेश इत्यादि ठंडे क्षेत्रों की शैर करने के लिए मैदानी इलाकों से लोग पहाड़ों का आनंद लेने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग छुट्टियाँ मनााने या शैर करने के लिए जाते रहते हैं. बर्फसे ढ़ँके पहाड़ देखना, बर्फ पर फिसलने जैसे अनेक प्रकार के खेल खेलना, बर्फ से ढ़ँके पेड़ पौधे बाग बगीचे देखने के लिए शैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ती है. पहाडों पर रहने वाले लोगों को पर्यटन क्षेत्रों से काफी फायदा और कुछ आय का श्रोत भी होजाता है. मैदानी क्षेत्रों से पहाड़ी क्षेत्रों का जीवन थोड़ा अलग होता है. पहाडों पर रहने वाले लोग ज्यादातर गर्म कपड़े ही पहनते हैं. मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग ऋतुओं के अनुसार ही कपड़े पहनते है. आजकल पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है जिसके चलते पहाडों पर चारो तरफ बर्फ ही बर्फ दिखाई देरही है. मैदानी क्षेत्रों में ठड़ का जोर है और कुहरे के वजह से चारो ओर धुंधला अंधेरा जैसा माहौल बना हुआ है. सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों कीं टक्करें भी होजाया करती है. कहीं दिन में ही रास्ते साफ नही दिखाई पड़ रहे हैं. कहीं कहीं बेमौसम बारिस भी होरही है. शरद ऋतु में मौसमी साग सब्जियाँ, और रवी की फसलों की बहार किसानों की किसानी का बड़ा ही सुंदर दृष्य मन को लुभावने वाला और अच्छी सेहत का खजाना भी कहलाता है.

कुणाल महराज की श्रीमद् भागवत कथा पांच जनवरी से

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड श्रीदुर्गा माता चेरिटेबल सो. द्वारा श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन मीरा रोड पूर्व में आयोजित है। संस्था के सचिव महेंद्र पाण्डेय ने बताया कि काशी के कथा में मर्मज्ञ श्री श्री कुणाल जी महाराज के मुखार बिंदु से ५ जनवरी से ११ जनवरी २०२५ शाम ६ बजे से रात्रि ९.३० बजे तक एवं १२ जनवरी सुबह हवन , शाम ५ बजे से भजन संध्या के साथ महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के पास, जी सी सी क्लब के पास, गोल्ड स्टार बिल्डिंग के सामने मीरा रोड पूर्व में आयोजित है। संस्था के सचिव महेंद्र पाण्डेय ने भारी संख्या में भक्तों से अनुरोध कर श्रीमद् भागवत कथा का रसास्वाद लेने का अनुरोध किए हैं। श्रीमद् भागवत कथा कार्यकारिणी के संरक्षक पंकज मिश्रा,रत्नाकर मिश्रा , भवन निमार्ता सुरेश सिंह,ओम प्रकाश मिश्रा, राजेश मिश्रा,विद्याशंकर चतुवेर्दी, डी के पाण्डेय, कमलेश दुबे, योगेश सिंह, राजेश मिश्रा एमटीएनएल,बेद प्रकाश सिंह, अविनाश दुबे, प्रमोद सिंह, कमलेश सिंह,अभिषेक यादव, राजेश सिंह, विवेक शुक्ला, कमलेश तिवारी, शिवचंद्र भोरगीर के साथ साथ सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यरत हैं।

मानस महाकुंभ में प्रेमभूषण महाराज का अद्भुत धनुषभंग प्रसंग

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व और बिजेंद्र रामचंद्र सिंह के संयोजकत्व में नालासोपारा पूर्व स्थित नौ दिवसीय मानस महाकुंभ की मुख्य यजमान श्रीमती मीरा बिजेंद्र सिंह हैं। विश्वामित्र के साथ यज्ञ रक्षा हेतु भगवान लक्ष्मण सहित अयोध्या से प्रस्थान करते हैं। भगवान की कथा जीव को जागृत कर देती है। ताड़का वध अहिल्या उद्धार के पश्चात प्रेमभूषण महाराज की कथा मिथिला प्रवेश करती है। इस प्रसंग में पूज्यश्री सुंदर प्रेम सूत्र प्रदान करते हुए कहते हैं कि, गुरू से बारंबार प्रश्न करने से जीवन प्रकाशित होता है। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज कर्तव्य को परिभाषित रकरते हुए कहा बड़े को कर्तव्य करके बड़ा होना चाहिए, बड़े होने की धौस नही जमाना चाहिए। सेवा कर्तव्य है,सन्मुख की सेवा नौकरी है, पीठ पीछे की सेवा कर्तव्य है, समर्पण है हमारा जीवन स्तुत्य और सहज होना चाहिए ।जीवन में सदैव आनंद को एकत्र करना चाहिए, आनंद चित्त के आश्रय में रहता है आनंद की अनुभूति हृदय में उपस्थित मन में होता है। साधु को सत्संग में आनंद आता है। मिथिला के वाटिका प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए पूज्यश्री ने कहा कि साधक की साधना की सिद्धि के लिए साध्य का होना परम

आवश्यक है। गुण दोषमय संसार मे सुखी रहने के लिए गुणग्राही बन कर रहना चाहिए।

पंचोपचार पूजा की सबसे सरल विधि है,गुरु शिष्य अलग नही है दोनों एक ही इकाई हैं ।भजनात्मक श्रीरामकथा में पूज्यश्री ने लोकप्रिय भजन.. राम को देखकर जनक नंदिनी सुनाकर भावविभोर कर दिया ।प्रेम अपना तोलना चाहिए दूसरे का कभी नही प्रेम ऊर्ध्वगमन कराता है कभी थकने नही देता। सियजी के हाथ जयमाल हो मंगल गीत गाँवई सारी सखियां.. सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। पूज्यश्री ने कहा कि मनुष्य का स्वरूप उसका परिचय स्वयं दे देता है सर्वकाल स्मरण रखना चाहिए। इस प्रकार पूज्यश्री के साथ सियालाडली शरण(भाई जी) की जुगलबंदी ने धनुषभंग और विवाह प्रसंग को सदा की भांति अद्भुत और अद्वितीय बनाते हुए कथा के चतुर्थ सत्र को विश्राम दिया। मुम्बई प्रधान गणेश अग्रवाल, राजेश एस. सिंह,कुंवर संजय सिंह, श्रीमती श्रद्धा प्रिंस सिंह,कुमारी शिवानी सिंह,, ,प्रभात सिंह बब्लू,सतीश सिंह,राजेश पाण्डे,डॉ शिवश्याम तिवारी, बाबा तिवारी, गणेश देसाई, नवीन सिंह,अनिल दूबे,अशोक सिंह आशावादी, अवनीश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह, सनी सिंह, विशाल सिंह ननवग,त्रिभुवन पांडे,श्रीमती अशोका तिवारी,निशा शर्मा,आर. डी. सिंह, विजयभान सिंह एवं प्रेमभूषण महाराज के मीडिया प्रभारी दिनेशप्रताप सिंह ने भी अवगाहन करते हुए अपना सौभाग्यवर्धन किया।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की ओर से मनाया गया पदाधिकारी रोहित सिंह व विशाल शेखावत का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की ओर से संघ के संगठन मंत्री महाराष्ट्र प्रदेश व शिवसेना शिंदे गट शाखा प्रमुख आजाद नगर रोहित सिंह तथा उप शाखा प्रमुख विशाल शेखावत का जन्मदिन बड़े धूमधाम से साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर संगठन के पदाधिकारियों तथा शिवसेना के सह संपर्क प्रमुख प्रभाकर राऊल , शिवसेना नेता मुकेश पाटील, पूर्व उपसरपंच सरावली सुरेश साहनी, उपविभाग प्रमुख विक्रांत साहनी द्वारा रोहित सिंह को पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ललित माली शिवशंकर तिवारी ,वजुवेंद्र सावे ,लक्ष्मण बेंडाडे, पिंटू मिश्रा विनोद शर्मा, रोशन पाठक, अनिल सिंह, संगीता जायसवाल, मीना बोरसे, सुनीता सकपाल, विजय राजपूत, लाला भरवाड़, डी.एन. मास्टर, रूपेश ठाकुर, दीपू यादव, स्वपनेश शर्मा, बिन्नू सिंह, प्रमोद यादव, उमेश सिंह, अजय सिंह, राय साहब, संजय मिश्रा आदि ने रोहित सिंह व विशाल शेखावत को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

6 जनवरी को स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जो रेवन्यू के मामले में वित्तीय वर्ष 2024 में भारत के फार्मास्यूटिकल और केमिकल सेक्टर्स के लिए शीर्ष पांच स्पेशलाइज्ड इंजीनियरिंग इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स में से एक है, ने अपने पहले इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए रू 133/- से रू 140/- प्रति इक्विटी शेयर की प्राइस बैंड तय की है, जिसकी फेस वैल्यू रू10 है। कंपनी का यह आईपीओ सोमवार, 6 जनवरी 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और बुधवार, 8 जनवरी 2025 को बंद होगा। निवेशक कम से कम 107 इक्विटी शेयर और उसके बाद 107 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बिड लगा सकते हैं। यह आईपीओ एक फ्रेश इशू रू210 करोड़ तक का है और जिसमें 1,42,89,367 इक्विटी शेयरों को इशू किया जाएगा। आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड इस इशू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, और केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड रजिस्ट्रार हैं। कंपनी द्वारा फर्श इशू से प्राप्त रू10 करोड़ का उपयोग मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। रू130 करोड़ का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए, और इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एस2 इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए किया जाएगा, ताकि बैंकों और वित्तीय संस्थानों से एस2 इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लिए गए कुछ बकाया ऋणों का पुनर्भुगतान किया जा सके। रू30 करोड़ का उपयोग एस2 इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड की मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए है। साथ ही रू20 करोड़ का उपयोग स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट और इनऑर्गेनिक ग्रोथ के लिए किया जाएगा और बाकी जनरल कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

पीएनबी ने साइबर सुरक्षा हैकथॉन कोड अगेंस्ट मालवेयर शुरू किया

मुंबई। साइबर अपराध के बढ़ते खतरों से निपटने के प्रयास में देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने स्कोड अगेंस्ट मालवेयरस्स थीम के साथ अपने पहले साइबर सुरक्षा हैकथॉन 2024-25 की शुरुआत की है। इस हैकथॉन का उद्देश्य मैलवेयर के बढ़ते खतरे से निपटने और देश की साइबरसिक्योरिटी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पूरे भारत के इनोवेटर्स, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को एक साथ लाना है। सबसे प्रतिभाशाली लोगों को एक साथ लाकर, पीएनबी वित्तीय क्षेत्र, अनुसंधान संस्थानों और तकनीकी नवोन्मेषकों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है ताकि उभरते साइबर खतरों से आगे रहा जा सके। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में 28 फरवरी 2025 तक चल रहा पीएनबी साइबर सुरक्षा हैकथॉन 2024-25, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और तकनीकी समुदाय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए व्यक्तिगत रूप से और टीम के तौर पर भाग लेने के लिए खुला है। इस हैकथॉन के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में इंटेलिजेंस-संचालित मालवेयर का पता लगाना और हटाना, वास्तविक समय में खतरे की निगरानी और रोकथाम, रैंसमवेयर रेजिलिएंस साल्यूशन और अगली पीढ़ी के एंटीवायरस टूल्स और सरफेस अटैक का प्रबंधन शामिल हैं। प्रतिभागियों को बैंकिंग क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक साल्यूशन्स के साथ एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा विकसित करने की आवश्यकता है जो मालवेयर हमलों का पता लगा सके, उन्हें कम कर सके और उन्हें रोक सके। इसमें 11 लाख रुपये तक के पुरस्कारों के अलावा, विजेताओं के पास रीयल टाइम प्रभावों के साथ महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा चुनौतियों को हल करने और पीएनबी के साथ लाइव वातावरण में अपने सफल साल्यूशन्स को लागू करने का अवसर होगा। जैसे-जैसे बैंकिंग क्षेत्र अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा को गति दे रहा है, पीएनबी साइबर सुरक्षा नवाचार में सबसे आगे है और ग्राहकों के डेटा और संवेदनशील वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के लिए लगातार उन्नत तकनीकों को लागू कर रहा है।

गोदरेज एग्रोवेट ने सूअरों के स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए लॉन्च की प्राइड हॉग पशु आहार श्रृंखला

मुंबई/पटना। विविधीकृत कृषि-व्यवसाय क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज गोदरेज प्राइड हॉग के लॉन्च की घोषणा की, जो वैज्ञानिक रूप से विकसित सूअर फीड रेंज (पशु आहार श्रृंखला) है और इसे सूअरों के जीवन चक्र के हर चरण में बेहतरीन पोषण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इस श्रृंखला में स्टार्टर, ग्रोअर और फिनिशर वैरिएंट शामिल हैं, जो बेहतर स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा और विकास के लिए संतुलित पोषण सुनिश्चित करते हैं। गोदरेज एग्रोवेट ने लॉन्च कार्यक्रम के अंग के रूप में, अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के खिलाफ निवारक उपायों और सूअर फार्म प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचार करने के लिए गुवाहाटी में एक गोलमेज चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उद्योग के विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें असम लाइवस्टॉक एंड पोल्ट्री कॉर्पोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक, डॉ. पूणार्नंद कोंवर और गोदरेज एग्रोवेट में एनिमल फीड बिजनेस (पशु चारा व्यवसाय) के सीईओ (मुख्य कार्यकारी), कैप्टन (डॉ.) ए.वाई. राजेंद्र शामिल रहे।

जगदगुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान द्वारा पालघर जिले में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान की ओर से प्रत्येक वर्ष पूरे महाराष्ट्र में कई जगहों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी रक्तदान महादान का आयोजन 4 जनवरी से 19 जनवरी 2025 तक किया जायेगा।

ज्ञात हो कि महाराष्ट्र में सिकल सेल, एनीमिया, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, ब्लड कैंसर, किडनी फेल्योर के मरीज बड़ी संख्या में पाये जाते हैं। ऐसे मरीजों को अक्सर खून की सख्त जरूरत होती है। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार के ब्लड बैंकों को संप्रदाय के माध्यम से रक्त की शीशियां देने का निर्णय लिया गया है। पालघर जिले के अंतर्गत दिनांक 5 जनवरी 2025 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दांडी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तारापुर, ग्रामीण अस्पताल पालघर के साथ ही दहानू तहसील में श्री राम मंदिर, माली आली धाकटी दहानू और दिनांक 19 जनवरी 2025 को चिराग विद्यालय, भीम नगर, बोईसर, गावदेवी माता मंदिर चिंचणी, साथ ही देवभूमि हॉल सफाले में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसके लिए सभी नागरिकों से इस महान सामाजिक कार्य में भाग लेने का आह्वान किया गया है।

राज्यस्तरीय अनुभूति जन सेवा सम्मान अवार्ड 2024 से देवेन्द्र मेश्राम सम्मानित

पालघर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले आधार सेवाभावी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र शिवचरण मेश्राम को टी.एम.जी.क्रिएशंस इनोवेटिव मनबिंदु प्रकाशन द्वारा राज्य स्तरीय अनुभूति जनसेवा सम्मान पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार को पाने में पर्यावरण मित्र बहुउद्देशीय सामाजिक संगठन भारत के संस्थापक अध्यक्ष विजय चोघला ने बहुमूल्य योगदान दिया। यह कार्यक्रम रविवार 29 दिसंबर 2024 को मुंबई मराठी पत्रकार संघ, पत्रकार भवन,(ए सी हॉल)

सीएसएमटी, मुंबई में संपन्न हुआ। प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों के हाथों से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। टी.एम.जी.क्रिएशन्स इनोवेटिव मनबिंदु प्रकाशन के संस्थापक एन.डी.खान सर तथा मुख्य आयोजिका सलमा एन खान द्वारा किया गया। कार्यक्रम मोहन राठौड़ (पुलिस महानिरीक्षक आई.पी.एस.), कर्नल रवींद्र त्रिपाठी, सचिव (फोरम फॉर इंटीग्रेटेड नेशनल सिक्योरिटी) के संरक्षण में आयोजित किया गया था। डॉ. शुभदा नील (स्त्री रोग विशेषज्ञ और निदेशक नील मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल नवी मुंबई), डॉ. सादिका नवाब, सहर (वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग के प्रमुख और अनुसंधान निदेशक, मुंबई विश्वविद्यालय), अभंश कुमार (बॉलीवुड और टॉलीवुड अभिनेता), एम.अल्ताफ दादासाहेब शेख (लेखक और निर्देशक वर्ल्ड रिकॉर्ड विजेता) सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। पुरस्कार प्राप्त देवेंद्र मेश्राम ने संस्था के संस्थापक अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकारीयों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सावित्रीबाई फुले स्कूल में मराठी स्कूल बचाओ अभियान

हाथों में तख्तियां लिए सावित्री की पोशाक पहने लड़कियों ने नारे लगाए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती के मौके पर आज साकीनाका स्थित सावित्रीबाई फुले स्कूल की लड़कियों ने मराठी स्कूल बचाने का नारा बुलंद किया। हाथों में तख्तियां लेकर लड़कियों ने सरकार से मराठी स्कूल को बचाने की मांग की।. बता दें कि सावित्रीबाई फुले साकीनाका में लड़कियों का स्कूल है और इसकी स्थापना वर्ष 1984 में हुई थी। जिस प्रकार सरकार मराठी स्कूलों की उपेक्षा कर रही है, आज सभी मराठी स्कूलों की हालत खराब है। संपूर्ण महाराष्ट्र में मराठी स्कूल की संख्या लगातार कम हो रही है। साकीनाका के सावित्रीबाई फुले स्कूल में फिलहाल 185 लड़कियां पढ़ रही

हैं। एक ओर जहां मराठी भाषा को अभिजात दर्जा प्राप्त है, वहीं दूसरी ओर मराठी स्कूलों का भविष्य संकट में है। जो दुखद बात है। स्कूल की निदेशक ज्योति सुभेदार ने कहा कि मराठी स्कूलों को बचाने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए इस मांग को लेकर आज हमने सावित्रीबाई फुले जयंती के दिन यह मांग की है।

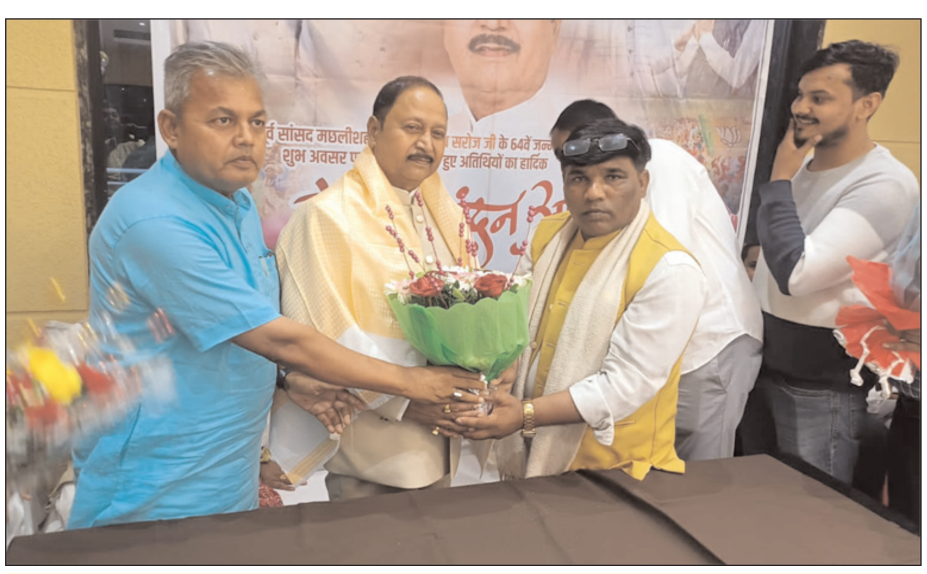

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद बी.पी.सरोज इस समय मुंबई प्रवास पर हैं। पूर्व सांसद बी.पी.सरोज के 64वें जन्मदिन के मौके पर उनके प्रवास स्थान पर भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व पालघर जिला सह प्रभारी तुलसीराम केवट व अन्य सहयोगी पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट देकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए। छायांकन : उत्तरशक्ति

सिगारम यूथ फेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), कत्तनकुलथुर ने 38वें एआईयू इंटर-यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल, एसआरएम सिगारम की मेजबानी की। यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के शताब्दी वर्ष का प्रतीक था। सिगारम यूथ फेस्ट में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों की अद्भुत प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक और बौद्धिक कार्यक्रमों की श्रृंखला मुख्य आकर्षण रही ।यह पांच दिवसीय उत्सव विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भरा हुआ था और इसका उद्घाटन एसआरएमआईएसटी के संस्थापक चांसलर डॉ. टी. आर. पारिवेंधर ने किया। अपने भाषणों में एसआरएमआईएसटी के वाइस चांसलर और एआईयू की एडिशनल सेक्रेटरी ममता अग्रवाल ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं के सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के 21 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इस महोत्सव में विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे, जैसे महात्मा गांधी विश्वविद्यालय का चेंडा मेलम और तिरुवथिराई काली, भारतीदासन विश्वविद्यालय का पैरा ड्रम के साथ लोक प्रदर्शन, श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय का

मोहिनीअट्टम, भरतनाट्यम, और मार्शल आर्ट्स, अमृता विश्व विद्यापीठम का शास्त्रीय कर्नाटिक और मलयालम गीत, गांधिग्राम रूरल इंस्टीट्यूट का मयिलअट्टम और ओयिलअट्टम लोक नृत्य, केरल विश्वविद्यालयक का थेय्यम, मोहिनीअट्टम और तिरुवथिराई काली, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का भरतनाट्यम, ओयिलअट्टम, और राजा राजा चोलन की लाइव पेंटिंग। इसके अलावा, महोत्सव में एकांकी नाटक, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, और ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग जैसे बौद्धिक कार्यक्रम भी शामिल थे। इनमें राजनीतिक मुद्दों, सामाजिक कारणों और ऐतिहासिक कथाओं जैसे विषयों को उजागर किया गया। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता, टीमवर्क और समर्पण का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों और जजों पर गहरी छाप छोड़ी। समापन समारोह में एसआरएमआईएसटी की निदेशक (छात्र कार्य) डॉ. निशा अशोकन ने कार्यक्रम का सारांश प्रस्तुत करते हुए बताया कि 21 विश्वविद्यालयों ने 27 प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिन्हें 23 प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों द्वारा जज किया गया। समापन के मुख्य अतिथि, श्री आर. क्लेमेट रमेश कुमार, आईआरएस, ने छात्रों को शतरंज के विश्व चैंपियन डी गुकेश की कहानी से प्रेरणा दी और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस महोत्सव में केरल विश्वविद्यालय ने कुल मिलाकर ट्रॉफी जीती। एसआरएमआईएसटी को उनकी उत्कृष्ट मेजबानी, टीमवर्क और आयोजन कौशल के लिए सभी 1000+ प्रतिभागियों और आयोजकों द्वारा सराहा गया।

जिला परिषद कार्यालय में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की मनाई गई जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर कार्यालय में शुक्रवार 3 जनवरी 2025 को क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। इस मौके पर परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास प्रणाली रूपाली सातपुते ने पुष्पांजलि अर्पित कर सावित्रीबाई को नमन किया। इस दौरान जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने उपस्थित जनों को ज्योतिराव फुले और सावित्री बाई फुले के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चन्द्रशेखर जगताप, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, शिक्षा अधिकारी प्राथमिक सोनाली मातेकर, शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संगीता भागवत, शिक्षा अधिकारी योजना शेषराव बड़े, अभियान अधिकारी (कृषि) विश्वजीत माने सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बतादें कि क्रांतिज्योति सावित्रीबाई जोतीराव फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 ई. को हुआ था।

सावित्रीबाई एक भारतीय शिक्षिका, कवयित्री और समाज सुधारक थीं। फुले ने एशिया में पहला गर्ल्स स्कूल शुरू किया। उन्होंने अपने पति जोतीराव फुले के साथ मिलकर महाराष्ट्र में महिला शिक्षा के प्रारंभिक चरण में प्रमुख भूमिका निभाई।

उन्होंने महिला शिक्षा की नींव रखी और भारत की पहली महिला मुख्य शिक्षिका थीं। ऐसी महान महिला की जयंती जिला परिषद पालघर कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

नवाचार वाले उत्पाद को क्रियाशील कराकर विशिष्ट उत्पाद की जीआई टैग कराएं अधिकारीः डीएम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) की जिला प्रबंधन/परियोजना प्रबंधन समिति की बैठक की गई, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा नवाचार वाले उत्पादों को

◆ जिला प्रबंधन/परियोजना प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

क्रियाशील कराकर विशिष्ट उत्पाद की जीआई टैग कराने के लिए उप कृषि निदेशक को निर्देश दिया गया। किसानों से सरसों तेल मिल, मक्का प्रोसेसिंग यूनिट, दुग्ध उत्पाद की यूनिट लगाने हेतु डीपीआर तैयार कर समित के समक्ष प्रस्तुत करने का सुझाव दिए गए ताकि बैको से ऋण स्वीकृति कराकर जिले के कृषकों को लाभान्वित कराया जा सके। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों के उत्पादों का मूल्य सम्बर्धन यदा सफाई, ग्रेडिंग, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, भंडारण एवं विपड़न की उचित व्यवस्था नही होगी।तबतक उचित मूल्य नहीं प्राप्त हो सकता है। मुख्य

विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने कहा कि किसान संभावनाएं तलास कर कृषि अवसंरचना फण्ड (एआईएफ) से सब्सिडी प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते है।उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि एफपीओ को हर वर्ष कम्पनी एक्ट के तहत कंप्लायंस को फॉलो करना पड़ता है। किसी भी योजना से लाभ लेने के लिए सरकार की वेबसाइट एफपीओ शक्ति पोर्टल पर सक्रिय होना जरूरी होता है, बैलेन्स सीट एवं शेयर होल्डर आवंटन सीट सहित 21 पैरामीटर अपडेट्स कर ग्रेडिंग कराना होता है। कंप्लायंस पूर्ण न करने पर आर्थिक दण्ड का भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने समिति को अवगत कराते हुए बताया कि सूचित करने पर भी कुल 61 एफपीओ में से वर्तमान सत्र में मात्र 11 एफपीओ ही अपनी ग्रेडिंग कराए है। टेक्निकल टीम द्वारा ग्रेडिंग से संबंधित आवश्यक जानकारी से किसानों को प्रशिक्षित किया गया।इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय,जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, डीडीएम नावार्ड लल्लन कुमार, मंडी सचिव ध्रुव कुमार समित के सदस्य सहित एफपीओ के सीईओ, डायरेक्टर आदि मौजूद रहे।

आईआईटी-बीएचयू की छात्रा ने किया कमाल, आलू के छिलके से बनाया जैविक एथेनॉल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-बीएचयू) के स्कूल ऑफ बायोकैमिकल इंजीनियरिंग की एम.टेक. छात्रा उन्नति गुप्ता को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें 11-13 दिसंबर, 2024 के बीच IIT जम्मू में आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन रिसेंट ट्रेंड्स इन एंवायर्नमेंटल साइंस, रिमोट सेंसिंग एंड क्लाइमेट चेंज (WSRSCC-2024) में उनकी मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रदान किया गया। उन्नति गुप्ता का शोध कृषि अपशिष्ट, विशेष रूप से आलू के छिलके के अपशिष्ट से जैविक एथेनॉल के सतत उत्पादन पर आधारित है। उनका यह कार्य अपशिष्ट से संपत्ति (Waste to Wealth) की अवधारणा को बढ़ावा देता है। यह शोध न केवल खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। बल्कि नवीनीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की बढ़ती मांग को भी पूरा करने में सहायक है। उन्नति के इस शोध को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलना,भारत में सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रयास पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान और नवीनीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

◆ उन्नति गुप्ता को मिला अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला युवती का शव

रियाजुल हक क्राईम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सलाहुदींपुर गांव में बुधवार की रात एक किशोरी का शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस को सूचित किए बिना परिजनों ने आनन फानन में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सूचना के मुताबिक गांव की निवासी आरती (16) बुधवार की रात परिजनों के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में अकेली सोने चली गई। रात 11 बजे परिजनों को कुछ अप्रिय घटना का आभाष हुआ तो दरवाजा खोलकर देखा तो आरती का शव फंदे पर झूल रहा था। परिजनों ने शव को नीचे उतारकर बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। थानाध्यक्ष सराय ख्वाजा दिलीप सिंह ने मीडिया को बताया कि अगर परिजनों से किसी प्रकार की तहरीर मिलती है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। युवती के इस तरह से करने पर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है।

बिना पुलिस को सूचित किए परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

चाइनीज मांझे के खिलाफ न्याय मार्च

युवा विवेक शर्मा की मौत पर फूटा जनमानस का गुस्सा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में हत्यारे चाइनीज मांझे ने दो दिन पहले एक युवा विवेक शर्मा की जान ले ली। उसकी मौत ने लोगों का गुस्सा भड़का दिया है। समाजवादी पार्टी के नेता किशन दीक्षित के नेतृत्व में लोगों ने विवेक शर्मा के घर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर चाइनीज मांझा विरोधी मार्च निकाला। इस मार्च में विवेक के पिता राजेश शर्मा सहित परिवार के लोग भी शामिल हुए। इस मार्च में शामिल लोगों ने चाइनीज मांझे के खिलाफ नारे लगाए। लोगों में शासन प्रशासन के प्रति काफी गुस्सा दिखाई दे रहा था, साथ ही इस दुःखद घटना के कारण लोग गमगीन भी थे। विवेक के पिता ने कहा कि उनके घर का दीपक तो बुझ गया।लेकिन प्रशासन को चाइनीज मांझे पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाना चाहिए ताकि किसी दूसरे के घर का चिराग न बुझे। उन्होंने आगे कहा कि आखिर सरकार और प्रशासन को यह बात समझने में और कितना समय लगेगा? आखिर और कितनी जिंदगियां प्रशासन की इस नाकामी की भेंट चढ़ेंगी? अब प्रशासन जब तक इस जानलेवा माझे की बिक्री को नहीं रोकता तब तक हम ऐसे ही विरोध करते रहेंगे। वहीं, समाजवादी पार्टी के नेता किशन दीक्षित ने कहा कि शासन और प्रशासन की नाकामी के कारण ही बनारस की सड़कों पर मौत की डोर खुले आम नाच रही है।कानून व्यवस्था पर बड़े बड़े दावे करने वालों की पोल खुले आम बिकता ये चाइनीज मांझा ही खोल दे रहा है। धर्म की राजनीति करने वाले प्रशासनिक नाकामी से मरे ऐसे आम आदमी पर चुप्पी साध लेती है इसलिए सत्ता से जुड़े लोगों ने ना तो इस घटना पर कोई टिप्पणी की और ना ही पीड़ित परिवार का हाल चाल लिया।

नेवढिया पुलिस ने तमंचा, कारतूस के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे। अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण में थाना नेवढ़िया पुलिस टीम ने थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में मुखबीर खास की सूचना पर धनन्जय कुमार यादव पुत्र चन्द्रप्रकाश यादव निवासी ग्राम कटघरा थाना मडियाहूँ जिला जौनपुर को एक तमंचा .315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ शुक्रवार की अलसुबह करीब 04.15 बजे रामनगर बगीचा वहद ग्राम रामनगर के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 02/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवण-1.धनन्जय कुमार यादव पुत्र चन्द्रप्रकाश यादव निवासी ग्राम कटघरा थाना मडियाहूँ जिला जौनपुर। अभियुक्त का अपराधिक इतिहास-1.मु0अ0सं0-02/25 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर। 2.मु0अ0सं0-214/24 धारा-115(2)/125/351(1) थाना नेवढिया जनपद जौनपुर।

सरपतहा में पीट पीटकर परिवार के पाँच लोगो को किया घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के सुइथाकला-नरियवा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर गाँव के हीं कुछ लोग मिलकर एक परिवार के लोगों की पिटाई कर दिये, जिसमें एक हीं परिवार के मुखिया राम पलट और उनकी पत्नी इन्द्रावती, भाई रामदवर तथा पुत्र घनश्याम और पुत्रवधू आशा घायल हो गये। सभी को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुइथाकला ले जाया गया जहां गम्भीर रुप से घायल रामपलट और उनकी पत्नी को इन्द्रावती को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मामले में पीड़ित पक्ष की तरफ से दी गई तहरीर पर पुलिस ने आरोपी स्थानीय निवासी राम अवतार, बिबेक, रामप्रीत रामधन तथा खेतासराय थाना क्षेत्र स्थित महरौड़ा निवासी राजकुमार के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने जलवाया नगर में पर्याप्त अलाव

केराकत नगर में अलाव जलने से लोगों को मिल रही है राहत

गुड़िया राज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने शीतलहर व हाड़ कापनें वाली कड़ाके की ठंड को देखते हुए एवं कड़ाके की ठंड से कांप रहे लोगों की ठंड से राहत मिल सके। इन सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू नें केराकत नगर में एवं चौराहों पर और भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त अलाव जलवाकर लोगों की दुआं एवं आशीर्वाद ले रही हैं। आपको बताते चलें कि केराकत नगर में अलाव जलवानें की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने के बावजूद खुद चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू नें जगह-जगह अलाव जलवाकर स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चेयरमैन साहेबा द्वारा नगर में एवं इर्द गिर्द सार्वजनिक जगहों पर भी अलाव की पर्याप्त व्यवस्था किया गया है।ताकि पड़ रही कड़ाके की ठंड से कांप रहे लोगों को राहत मिल सके। इस सम्बन्ध में लिपिक अजय कुमार निषाद और कम्प्यूटर आपरेटर अमित कुमार साहनी से पूछे जानें पर लोगों नें बताया कि चेयरमैन साहेबा द्वारा नगर में अलाव जलानें हेतु पर्याप्त व्यवस्था किया गया है। जगह जगह अलाव जलवाकर स्वयं निरीक्षण करनें का भी हमलोगों को आदेश दिए गए हैं। और ठंड के मौसम में यह कार्य प्रतिदिन नियमित रूप से कराना है। नगर के लोगों ने बताया कि चेयरमैन एवं उनके पति प्रतिनिधि द्वारा नगर सहित सार्वजनिक जगहों पर अलाव जलवाकर बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है, जो काबिले तारीफ है।

सावित्री बाई फुले का मनाया गया जन्मोत्सव, भारत रत्न देने की किया गया मांग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। संयुक्त श्रीमाली महासभा द्वारा आज शहर के मां शीतला पैलेस में माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य लोग और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मडियाहूं विधायक डा.आर.के पटेल ने सावित्रीबाई फुले के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, सावित्रीबाई फुले ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त किया।बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और हमें समानता और न्याय की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करती हैं। मुख्य अतिथि पप्पू माली ने सावित्रीबाई के योगदान की सराहना करते हुए कहा,महिलाओं की शिक्षा के बिना समाज का विकास अधूरा है। और सावित्रीबाई फुले ने यह बात अपने जीवन और संघर्षों से साबित की।पप्पू माली ने कहा आज समाज को एक होकर समाज के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की मशाल जलाकर समाज में व्याप्त ऊंच- नीच छुआछूत, अमीरी-गरीबी आदि कुरीतियों को दूर करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त श्रीमाली महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष छोटेलाल ने कहा, हमारा समाज सावित्रीबाई फुले के दिखाए मार्ग पर चलकर ही समृद्ध और सशक्त हो सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम हमें उनके विचारों से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फूले जी को भारत रत्न दिया जाए। जिससे कि उनके द्वारा समाज के योगदान को कभी नहीं भुला जा सकता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर देव श्रीमाली ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्रम और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा इस आयोजन ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और योगदान को सम्मानित करने के साथ-साथ समाज में शिक्षा और समानता के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का आभार जिलाध्यक्ष अनिल श्रीमाली ने किया। कार्यक्रम का संचालन रामचंद्र श्रीमाली ने किया। इस रामकुमार माली, सुरेन्द्र श्रीमाली,राजू पंडा, अखिलेश सैनी, आशीष माली, संजय माली, पंचम माली, रवि सैनी, संदीप, संतोष, रतन श्रीमाली, इंज.अमन सैनी आदि लोग शामिल हुए।

साक्षात्कार के दौरान सकारात्मक रहना महत्वपूर्णः प्रो.पुरोहित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला हाउ टू फेस इंटरव्यूः डूज एंड डोंट्सर विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दून विश्वविद्यालय, देहरादून में स्कूल आफ मैनेजमेंट के डीन प्रोफेसर एच सी पुरोहित ने कहा कि साक्षात्कार केदौरान पहनावे से लेकर हमारे चेहरे की भाव-भंगिमा भी हमारे प्रदर्शन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इसलिए साक्षात्कार के दौरान हमारा पहनावा पेशे के अनुरूप फॉर्मल एवं साफ सुथरा हो और मानसिक स्थिति सकारात्मक होनी चाहिये.उन्होंने कहा कि सफलता अर्जित करने के लिएआवश्यक है कि हम अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन करें। क्योंकिइस दौरान हमारे ज्ञान और कौशल की परख तो होती ही है साथ ही हमारे आत्मविश्वास, समस्याओं से जूझने और उनको हल करने की हमारी काबिलियत, तनाव को सहनकरने की शक्ति एवं तनावपूर्ण वातावरण को स्वस्थ वातावरण में परिवर्तित करने की कला आदि भी परखी जाती है।प्रोफेसर पुरोहित ने कहा कि साक्षात्कार केदौरान हमको अपनी अच्छाइयों और उपलब्धियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है औरइसके लिए जो ज्ञान और शिक्षा हमने अध्ययन के दौरान प्राप्त की है उसकी प्रस्तुति बेहतर करने की कोशिश होनी चाहिए। साक्षात्कार की शुरूआत अपनी रुचि, प्रेरणासे करें और फिर संचार एवं संवाद की क्षमता,नेतृत्व करने कीक्षमता, समय प्रबंधन, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता टीम में काम करने की क्षमता आदि को स्पष्ट करतेहुए पूर्ण आत्म विश्वास से आगे बढ़े। प्रो पुरोहित ने कहा कि साक्षात्कार केदौरान बिल्कुल भी घबराहट या नकारात्मकता आपके चेहरे पर, मनमस्तिष्क में कहीं होनी नहीं चाहिए क्योंकि जीवन में नकारात्मकता ही व्यक्ति कोपीछे धकेलती है हमको सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ना होगा।इसलिएसाक्षात्कार के दौरान सकारात्मक होना बहुत आवश्यक है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंडप्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर अविनाश डी पाथर्डीकर ने कहा कि हमारी कोशिशहै कि विद्यार्थियों को हर प्रकार के कौशल से युक्त किया जाए और प्लेसमेंट के लिए भीहम हर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए उनके कौशल और क्षमता के अनुरूप कंपनियोंको आमंत्रित करेंगे।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों केव्यक्तित्व विकास,संवाद कला को विकसित करने एवं उन्हें अधिक सृजनशील बनाने के लिए लगातार कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.आशुतोष कुमार सिंह, स्वागत प्रो.अविनाश पाथर्डीकर एवं धन्यवाद डॉ राकेश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ.अंजनी मिश्र, डॉ सुशील सिंह, डॉअमित वत्स, डॉ.निशा पांडेय, सुश्री दीपांजलि, प्रिंस सिंह, डॉ.इंद्रेश गंगवार एवंनितिन चौहान उपस्थित थे।

राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों का दो दिवसीय कॅरियर गाइडेंस प्रशिक्षण संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश के निर्देशनुपालन में जनपद जौनपुर में करियर गाइडेंस प्रोग्राम फॉर गर्ल्स के अन्तर्गत राजकीय जिला पुस्तकालय जौनपुर के सभागार में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और पंख नोडल शिक्षकों के दो दिवसीय गैर आवासीय कैरियर गाइडेंस प्रशिक्षण 02 जनवरी से 03 जनवरी तक आयोजित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव, जिला समन्वयक डॉ0 राजन सिंह तथा मास्टर ट्रेनरों ने शुक्रवार को प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए प्रशिक्षण का समापन किया।जनपदीय संदर्भदाता पंकज कुमार (प्रधानाध्यापक राजकीय हाई स्कूल सवायन) द्वारा संप्रेषण और पारस्परिक कौशल पर प्रकाश डालते हुए गतिविधि के माध्यम से संचार शैलियों को विस्तार से बताया गया। वहीं दूसरे जनपदीय संदर्भदाता पवन कुमार गुप्ता (प्रभारी प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज मवई सोंधी) द्वारा टीम वर्क, समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन तथा विभिन्न प्रकार के करियर सम्बन्धी जानकारियां प्रतिभागियों को प्रदान की गई। प्रशिक्षण में खेल के माध्यम से समायोजन तथा करियर योजना पर प्रकाश डाला गया।प्रशिक्षण के दौरान जिला समन्वयक डॉ0 राजन सिंह के द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को कैरियर के प्रति जागरूक करने संबंधी विभिन्न जानकारियां प्रदान की गईं साथ ही सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव द्वारा कैरियर गाइडेंस के प्रशिक्षण के उपयोगिता के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई तथा जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने सभी प्रधानाध्यापको से विद्यालय मे कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के संचालन एवं परीक्षा पे चर्चा 2025 में सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत नामांकन करने हेतु सभी को निर्देशित किया। कार्यक्रम में 32 विद्यालयों के प्रधानाचार्य/ प्रधानाध्यापक एवं नोडल शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

किसी भी शसक्त राष्ट्र के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकताः जस्टिस नरेन्द्र कुमार जौहरी

संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू की मनी 19वीं पुण्यतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। त्वरित न्याय दिलाने में सबसे बड़ी भूमिका अधिवक्ता की सबसे बड़ा योगदान होता हैं।अधिवक्ता वादकारी एवं न्यायाधिश के बीच सेतु बनकर कार्य करता हैं उक्त विचार दीवानी अधिवक्ता संघ जौनपुर द्वारा आयोजित सिविल कोर्ट जौनपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता स्व संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू की 19वी पुण्यतिथि पर सेमिनार त्वरित न्याय में न्याय पालिका कार्य पालिका विधायिका एवं अधिवक्ताओ की भूमिका सेमिनार में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति जस्टिस नरेन्द्र कुमार जौहरी लखनऊ खंडपीठ ने कहा और कहा कि शीघ्रता से न्याय मिलना आज की आवश्यकता है आम आदमी आज भी न्याय पालिका में विश्वास और सम्मान करता हैं। किसी भी शसक्त राष्ट्र के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकता होती हैं । स्वतंत्र न्यायपालिका के अभाव में राष्ट्र पतन की ओर चला जाता हैं व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका को न्यायपालिका ही नियंत्रित करती हैं। जूनियर अधिवक्ताओं को अपने सीनियर अधिवक्ताओं का सम्मान करना चाहिए। जौनपुर अधिवक्ता संघ का नाम बहुत सुना था आज आने का सौभाग्य मिला। त्वरित न्याय के लिए न्याय पालिका, कार्य पालिका, विधायिका सभी सक्रिय हैं। इस मौके पर जिला जज अनिल कुमार वर्मा ने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका विधायिका, अधिवक्ताओं सभी का अपना महत्वपूर्ण योगदान है जिसमें अधिवक्ताओं की भूमिका सराहनीय है।अधिवक्ता न्याय पालिका का दर्पण होता हैं जो वादकारियों की बातों को न्यायालय में रखता है। इस मौके पर अतिथि जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चन्द ने कहा कि न्यायालय सर्वोपरि है यदि समाज में न्याय शब्द हटा दिया जाए तो लोगों का विश्वास खत्म हो जाएगा त्वरित न्याय के लिए सभी लोग अपना योगदान देते रहे। वही पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तूभ ने कहा कि त्वरित न्याय में अधिवक्ता हमेशा तत्पर रहते है और वकालत पेशा सम्मानजनक होता हैं। देश की आजादी में वकीलों ने बड़ी भूमिका निभाई थी और आजादी के बाद संविधान निर्माण में भी अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।कार्यक्रम में अध्यक्षता सुभाष चंद्र यादव अध्यक्ष दीवानी की रही अधिवक्ता संघ ,संचालन मंत्री रणबहादुर यादव ने किया आभार कार्यक्रम संयोजक राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया। सेमिनार में वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष श्रीवास्तव,पूर्व अध्यक्ष सतेन्द्र बहादुर सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रेम शंकर मिश्रा पूर्व अध्यक्ष ब्रजनाथ पाठक पूर्व मंत्री अवधेश सिंह,पूर्व मंत्री जयप्रकाश कामरेड, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चन्द उपाध्याय, लाल बहादुर यादव, अशोक यादव अभियोजन अधिकारी हिमांशु श्रीवास्तव, घनश्याम यादव इंद्रजीत पाल, संजय श्रीवास्तव एडीजीसी आदि अधिवक्ता बंधु मौजूद रहे।

इंस्पायरिंग वुमन ऑफ इंडिया पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शुक्रवार को कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की शिक्षिका डॉ. सोनम झा की पुस्तक ट्रेलब्लेजर्स इन्सपाइरिंग वोमेन ऑफ इंडिया का विमोचन किया।कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि इस पुस्तक को देखकर गर्व हो रहा है कि इसमें उन महिलाओं के योगदान की चर्चा है जिन्होंने भारतीय इतिहास को आकार दिया है। इन महिलाओं ने बाधाओं को तोड़ा है और प्रतिकूल परिस्थितियों में साहस, करुणा और दृढ़ता का उदाहरण पेश किया है। शिक्षिका डॉ. सोनम झा ने बताया कि यह पुस्तक ऑरेंज पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई है। इसमें रानी दुर्गावती, मैत्रेयी, गार्गी वाचकनवी, चाँद बीबी, अहिल्याबाई, रजिया सुल्तान, मीराबाई, इंदिरा गांधी, कल्पना चावला, मैरी कॉम, किरण बेदी एवं मदर टेरेसा जैसी महान विभूतियों के जीवन चरित्र एवं संघर्षों को वर्णित किया गया है। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. विकास चौरसिया, रिचा सिंह, प्रियंका जायसवाल उपस्थित रहे।

बिंद समाज विकास संघ ने वर्ष 2025 का कैलेंडर लॉन्च किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बुधवार को मुंबई में संघ के स्थानीय कार्यालय, सूर्या हाउस टावर 301, विद्याविहार मुंबई, के आर बिंद कंपनी में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद सहित संघ के राष्ट्रीय सलाहकार सी ए, किशोरी लाल बिंद ,राष्ट्रीय संरक्षक सुरेश कुमार बिंद, के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उद्घाटन में, संघ के राष्ट्रीय सचिव बिनोद कुमार बिंद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक कुमार नाविक, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अजय कुमार बिंद, राष्ट्रीय सदस्य छोटेलाल बिंद, युवासेना पदाधिकारी मनोज कुमार केवट, हरीश बिंद, ऋषि बिंद सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे,संघ के कार्यकर्ताओं ने यह निर्णय लिया की वार्षिक कैलेंडर एवं स्मरणिका पत्रिका हर वर्ष प्रकाशित किया जाएगा।

विजेथुआ धाम में प्रशांत शुक्ल ने हनुमान जी का किया दर्शन

सुलतानपुर। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रिय अध्यक्ष लोकप्रिय समाजसेवी चंद्रशेखर आर शुक्ल के सुपुत्र समिति के राष्ट्रीय महासचिव प्रभाकर शुक्ल के छोटे भाई मुंबई के युवा उद्यमी प्रशान्त शुक्ल ने अपनी पत्नी विशाखा शुक्ला, बेटी परी शुक्ला, पुत्र सागर शुक्ल, और दीपक शुक्ल के साथ सुलतानपुर के कादीपुर क्षेत्र स्थित पावन धाम बिजेथुआ महावीरन में हनुमान जी का दर्शन पूजन कर आशिर्वाद का सौभाग्य प्राप्त कर तत्पश्चात लंभुआ स्थित बाबा जनवारी नाथ धाम पर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजन अर्चन दर्शन और आशिर्वाद का लाभ प्राप्त किया।

भाजपा का सदस्यता अभियान जारी

वसई रोड। भाजपा सदस्यता पंजीकरण अभियान के तहत आज वसई पूर्व दक्षिण मंडल में आयोजित कार्यकारिणी एवं सदस्य पंजीकरण अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता पंजीकरण अभियान देशभर के साथ-साथ वसई-विरार क्षेत्र में भी बड़े जोर-शोर से चल रहा है। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक व्यक्ति को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने में सक्रिय भागीदारी निभायें। इस समय विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्ता सार्वजनिक रूप से भाजपा पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर वसई आमदार स्नेहा दुबे पंडित, भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, राजू म्हात्रे, अभय कक्कड़, अपर्णा पाटिल, मंडल महासचिव विवेक भोसकर, विकास बरनवाले, नायक देसाई, युवा अध्यक्ष देव श्रीवास्तव, महिला मोर्चा अध्यक्ष विमल वैष्णव सहित अन्य गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एस पी आजमगढ़ के प्रमोशन सुची में नाम होने पर बिलरियागंज थाने में बाटी गई मिठाई

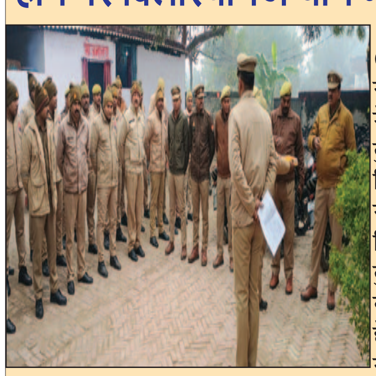

बिलरियागंज, (उत्तरशक्ति) । आजमगढ़ स्थानीय थाना बिलरियागंज में थानाध्यक्ष सुनील कुमार दुबे के नेतृत्व में लगभग पांच किलो लोगों में बांटी गई इस संबंध में थानाध्यक्ष बिलरियागंज सुनील कुमार दुबे से पूछा गया तो उन्होंने ने बताया कि एस पी आजमगढ़ हेमराज मीणा के प्रमोशन सुची में नाम आने के खुशी में यह नेक कार्य किया गया ताकि आप लोग मुंह मिठा करे और एस पी आजमगढ़ को प्रमोशन सुची में आगे बढ़ने में आशीर्वाद प्रदान करे

एन एस कैनवस ओरम क्रिकेट प्रतियोगिता पांच जनवरी को

भदोही(उत्तरशक्ति)। 5 जनवरी 2025 रविवार को नेवादा सागरपुर कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भदोही जिले सहित प्रयागराज, जौनपुर, मिजार्पुर ,की ढेर सारी क्रिकेट टीमें भाग ले रही हैं, जिसमें प्रथम पुरस्कार, 11000, एवं द्वितीय पुरस्कार 5000 रुपए नगद रखा गया है,मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर और बेस्ट बैट्समैन को तथा बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया जाएगा, क्रिकेट सुबह 9:00 बजे से नेवादा सागरपुर भदोही पानी टंकी के बगल खेलकूद मैदान में प्रारंभ होगा। लगभग 1 सप्ताह तक चलेगा जिसकी, इंट्री फीस 501 रुपए रखा गया है सभी मैच आठ ओवरों का होगा। क्रिकेट कैनवस गेंद से खेला जाएगा अंपायर का निर्णय सर्वमान्य होगा। क्रिकेट संपन्न कराने एवं समापन कराने के लिए, बिंद समाज विकास संघ के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष दी कमलेश कुमार बिंद,श्रीमती नीतू देवी महाविद्यालय के प्रबंधक, बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय संरक्षक रंजीत कुमार बिंद, आदर्श नर्सिंग होम, बिंद समाज विकास के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ सुजीत कुमार बिंद, अभोली ब्लाक प्रमुख श्रीमती प्रियंका शैलेंद्र कुमार बिंद, सहित तमाम समाजसेवियों का आगमन होगा।

बोरीवली जीआरपी में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

100 से अधिक पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य की हुई जांच

बोरीवली। महाराष्ट्र राज्य पुलिस वर्धापन दिवस के उपलक्ष्य में अनुप्रणि फाउंडेशन-जोधपुर एवं मुंबई ने जी.आर.पी. तथा आर.पी.एफ. से जुड़े पुलिस कर्मियों के लिये मुफ्त स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का बोरीवली रेलवे पुलिस स्टेशन परिसर में विशाल पैमाने पर आयोजन किया। बोरीवली जी.आर.पी. के सीनियर पीआय डी.एम. खुपेरकर तथा सतीश शिंदे (पुलिस निरीक्षक-अपराध) के मार्गदर्शन और निगरानी में आयोजित इस शिविर का लाभ 100 से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने लिया। इन सभी पुलिस कर्मियों के दांत का विस्तृत चेकअप व चिकित्सा दहिसर के प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ. पंकज गुप्ता और उनकी टीम द्वारा की गई। इसके साथ-साथ सभी पुलिस कर्मियों की आंख व फेफड़ों की जांच कर सभी को प्रख्यात संस्थान अनुप्रणि फाउंडेशन द्वारा मुफ्त में औषधि भी प्रदान की गई। फाउंडेशन के अध्यक्ष अरुण अरोड़ा (जोधपुर), मुम्बई अध्यक्षा और प्रख्यात समाजसेविका अवनी शाह, सुनील मोहनोत और प्रशांत भंसाली का इस शिविर के संयोजन में सराहनीय योगदान रहा। शिविर की सफलता में कृशा शाह और जक्षा संघवी का योगदान भी विशेष उल्लेखनीय है। आयोजन में विशिस्ट अतिथि के रूप में बोरीवली व्यापारी असोसिएशन से जुड़े पुलिस मित्र मुकेश भाई मेहता उपस्थित थे। शिविर संचालन की कुशलता से जिम्मेदारी ईनफीगो आई केयर, डा. पंकज गुप्ता तथा ब्रिध-फ्री ने निभाई। अनुप्रणी फाउंडेशन इस तरह के मुफ्त मेडिकल कैंप अक्सर आयोजित कर सेवा का कार्य करता रहता है जो कि प्रशंसनीय है।

ओबीसी एसोसिएशन पश्चिम रेलवे द्वारा राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की जन्म जयंती मनाई गई

मुंबई। गत शुक्रवार को भारत की प्रथम शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले का 194वीं जन्म जयंती ऑल इंडियाओबीसी रेलवे एम्प्लाइज एसोसिएशन, पश्चिम रेलवे के स्टेशन बिल्डिंगऑफिस में धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम ओबीसी के जोनल अध्यक्ष रामनाथ पाटील की अध्यक्षता में तथा विशेष उपस्थिति एससी/एसटी के जीएलओ अध्यक्ष धर्मेन्द्र पिपिल और सचिव सुरेश बारापात्रे और ओबीसी के मुंबई मंडल अध्यक्ष, व मंडल सचिव संजय मडवे तथा लोअर परेल वर्कशाम के अध्यक्ष विनायक म्हात्रे व सचिव प्रमोद बाउल, महालक्ष्मी ओबीसी के सचिव सूरज विभूते तथा प्रधान कार्यालय के यूनियन और संघ के पदाधिकारी सरदार भगत, अभय तथा सभी ओबीसी के पदाधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत संचालन अमर बहादुर पटेल जोनल कार्याध्यक्ष और जीएलओ सचिव ने किया। सभी वक्ताओं ने राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले के जीवन और कार्यों पर विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे । साथ ही एकमत से सभी ने क्रांतिसूर्य ज्योतिराव फुले और राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले को भारत रत्न देने की मांग की।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने बिहार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया

बिहार(उत्तरशक्ति)। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बिहार के माननपुर (मंगेर), फतेहपुर शाहबाज (पटना), सखसोहरा (पटना), तितारा (गोपालगंज), और अगियोन (औरंगाबाद) में नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया है। इन उद्घाटनों के साथ, बैंक ने बिहार में कुल 250 बैंकिंग आउटलेट्स और राष्ट्रीय स्तर पर 1,028 आउटलेट्स स्थापित कर लिए हैं। माननपुर (मंगेर), फतेहपुर शाहबाज (पटना), सखसोहरा (पटना), तितारा (गोपालगंज), और अगियोन (औरंगाबाद) सहित विभिन्न क्षेत्रों के निवासी अब बैंक के विभिन्न उत्पादों का लाभ उठा सकते हैं, जिनमें बचत खाते, चालू खाते, निश्चित जमा, और आवर्ती जमा शामिल हैं। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे कि आवास ऋण, व्यापार ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, क्रेडिट, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक की इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल बैंकिंग क्षमताओं और एटीएम नेटवर्क से ग्राहकों को सहज बैंकिंग अनुभव मिलेगा। इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, ?बिहार के विभिन्न स्थानों– फतेहपुर शाहबाज, माननपुर, सखसोहरा, तितारा और अगियोन–में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारी राज्य में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इन क्षेत्रों का ऐतिहासिक महत्व, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और मजबूत सामुदायिक संबंध हमारे शाखाओं के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं। ये नए आउटलेट्स स्थानीय निवासियों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थापित किए गए हैं, जिससे व्यक्तिगत बैंकिंग सेवाओं से लेकर व्यापार ऋण तक, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। इन समुदायों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हुए, हम उनके समग्र विकास और समृद्धि में योगदान देने का लक्ष्य रखते हैं। ये बैंकिंग आउटलेट्स व्यापार विकास सेवाओं के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेंगे, जो ऐसे वंचित या निम्न-आय वाले व्यक्तियों या समूहों को उपलब्ध होंगे जिनके पास वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच है। खछत्रमॉडल समूह ऋण मॉडल है, जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से बिना किसी सुरक्षा या गारंटी के ऋण लेने की अनुमति देता है, जबकि समूह के भीतर आपसी समर्थन और ऋण के त्वरित पुनर्भुगतान के माध्यम से क्रेडिट अनुशासन को बढ़ावा देता है।ग्राहक बैंकिंग सेवाओं का उपयोग विभिन्न चैनलों के माध्यम से कर सकते हैं, जैसे कि बैंकिंग आउटलेट्स, माइक्रो एटीएम (बैंकिंग घंटों के दौरान), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) और कॉल सेंटर।

टीटीके ने जहानाबाद में नकली उत्पादों के विक्रेता पर की कठोर कार्यवाही

जहानाबाद(उत्तरशक्ति)। किचन अप्लायंसेज में भारत के प्रमुख ब्रैंड टीटीके प्रेस्टीज लि. ने नकल से निपटने के लिये अपनी कोशिशों को लगातार जारी रखा है। कंपनी द्वारा प्रेस्टीज के नकली उत्पाद बेचने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। स्पीड सर्च एण्ड सिक्योरिटी नेटवर्क्स प्रा. लि. के फील्ड मैनेजर शीतल कुमार की शिकायत पर बिहार पुलिस ने सतनपुर, जहानाबाद में मेसर्स तेजू इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप पर छापा मारा। यह छापा 7 दिसंबर, 2024 को काको पुलिस थाने के सब-इंस्पेक्टर सुमन कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने मारा। छापे के दौरान आरोपी लाल बाबू यादव की दुकान और गोदाम से प्रेस्टीज ब्रैंड के 65 नकली इलेक्ट्रिक आयरन जब्त किये गये। सघन जांच के बाद यह उत्पाद नकली साबित हुए और शिकायतकर्ता और कानून लागू करने वाले अधिकारियों सहित गवाहों की उपस्थिति में सीजर मेमो जारी किया गया। कॉपीराइट एक्ट, 1957 के सेक्शंस 63 एवं 65 के तहत लाल बाबू यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई। उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना की प्रतिक्रिया में टीटीके प्रेस्टीज के एक प्रवक्ता ने कहा, नकल का धंधा ग्राहकों को भ्रमित और कंपनी की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हुए बड़ा खतरा पैदा करता है। इससे निपटने के लिये टीटीके प्रेस्टीज का उपभोक्ताओं से आग्रह है कि वे हमेशा अधिकृत डीलरों से ही खरीदारी करें और हमेशा रसीद मांगें। इससे सुनिश्चित होगा कि ग्राहकों को असली उत्पाद मिलें और कंपनी नकली उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ कार्यवाही करती रहेगी।

गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक, भगवान से राष्ट्र कल्याण की कामना की

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र कल्याण और सभी नागरिकों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। पौष माह की शुक्ल पक्ष चतुर्थी (विनायक चतुर्थी) के मान में हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान की पूर्णता सीएम योगी ने हवन करके की। गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा समेत अनेक पूजन सामग्री अर्पित कर कर विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र के कल्याण की प्रार्थना और समस्त नागरिकों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

एड रवि व्यास ने की दादी परिवार के वार्षिक महोत्सव में शामिल होने की अपील

भायंदर(उत्तरशक्ति)। पिछले 17 सालों की तरह ही इस बार भी दादी परिवार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पाँच जनवरी को अपने 18 वे वार्षिक महोत्सव मे विभिन्न धार्मिक आयोजन करने जा रहा है.भायंदर (पश्चिम) के बालाजी पपैया ग्राउंड मे इस अवसर पर अलौकिक श्रृंगार,अखंड ज्योति, भव्य दरबार, छप्पन भोग, महाप्रसाद के साथ ही दादी मंगलपाठ एवं भजन संध्या आयोजित किया जाएगा.संस्था के संरक्षक 145 मीरा भायंदर भाजपा विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास ने बताया की इस मौके पर सभी आयु वर्ग के महिलाओ और पुरुषों के लिए विभिन्न तरह की विशाल प्रतियोगिता भी नियोजित की गयी है जिसमे बड़ी संख्या मे राजस्थानी समाज के लोगों हिस्सा लेंगे. सहभागी और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा.कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर विधायक नरेंद्र मेहता एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कई गणमान्य भी शिरकत करेंगे. एड. रवि व्यास का कहना है की पिछली बार दादी परिवार ने देवी चित्रलेखा की सात दिवसीय कथा का आयोजन किया था जिसे लोगों का अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला था और इस बार भी इस धार्मिक आयोजन मे लोग उसी तरह शामिल होकर भक्ति रसपान कर सकेंगे.इस कार्यक्रम मे दादी परिवार के साथ ही अन्य धार्मिक संस्था भी अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

सीएम ने किया जल शोधन परियोजना का शुभारंभ

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राप्ती नदी में गिरने वाले नालों के प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमिडीएशन तकनीकी) से जल शोधन की 2 करोड़ 70 लाख रुपये की नगर निगम की परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक विधि से जल शोधन से नदी की शुद्धि के साथ करोड़ों रुपये की बचत भी होगी।

इसमें न तो बिजली का खर्च आएगा और न ही मेंटिनेंस का। तकियाघाट पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में राप्ती नदी अविरल एवं निर्मल रहे, उसका जल स्वच्छ एवं सुदर रहे, इसके लिए जो प्रयास नगर निगम ने किया है वह सराहनीय है। यह बहुत बड़ा काम हुआ है। यह कार्य उर्वरता और जीवन को बचाने के लिए हुआ है। सीएम ने कहा कि महापुरूषों ने जल को जीवन माना है।

बांकीपुर बालिका उच्च विद्यालय की पूर्व छात्राओं ने किया वृक्षारोपण

पटना(उत्तरशक्ति)। गाँधी मैदान स्थित बांकीपुर बालिका उच्च विद्यालय की पूर्व छात्राओं ने अपने अल्युमनाइ मीट की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देते हुए वृक्षारोपण से की। विदित हो कि आगामी 5 जनवरी 2025 को बांकीपुर विद्यालय परिसर में द्वितीय बांकीपुर अल्युमनाइ टीम का अल्युमनाइ मीट होने जा रहा है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में बांकीपुर विद्यालय की प्रधानाचार्या किरण कुमारी, डॉ. दीप्ति, प्रेमलता, सिम्मी नारायण, डॉ. अनामिका नंदन, शोभा, बबीता, डॉ. ममता आदि पूर्ववर्ती छात्राएँ सम्मिलित हुई। साथ ही वृक्ष की देखभाल के लिए एक टीम भी बनाई गई। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक डॉ. दीप्ति कुमार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य हमारे विद्यालय के परिसर में और आसपास के क्षेत्र में पेड़ों का रोपण करना तथा पर्यावरण को संरक्षित करना है।

स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र वी मोहिते का किया गया अभिनंदन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग जी/दक्षिण के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र वी मोहिते का विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। सं.नि.अन्वेषक विनयकुमार शर्मा ने बताया कि उक्त अभिनंदन मोहिते सर के उत्कृष्ट कार्य एवं पारिवारिक सदस्य स्वरूप सभी को निरखने वाले मुख्य विभागीय अधिकारी का सम्मान उनके जन्मदिन के बहाने केक काटकर किया गया।उक्त अवसर पर सहायक स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रियंका भोये,डॉ राजेश देवेन्द्र,डॉ अमोल दरोंई,डॉ युक्ता सावंत, समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाड़े, निरीक्षक सुनील मोरे, समीर गव्हाणकर, नितिन कुलकर्णी, दीपक बारिया, सूर्यकांत, मीनल, राहुल, दीपक, नवनीत, प्रियंका, सुनील कर्पे, अमित शिंदे,प्रदीप राठौड़, प्रिया, सिद्धेश, सिद्धी, धार्मिक, तारा, शबनम, अनिकेत, महेश, अश्विनी, सुहास, विश्वनाथ, सौकत, सर्वेश, फणसेकर, संतोष आदि उपस्थित थे। सभी ने अपने वरिष्ठ अधिकारी का कर्तलध्वनि से सम्मान किया तथा अंत में मोहिते सर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाकुंभ के नए साल के मौके पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। साल 2024 को पीछे छोड़ते हुए नए साल 2025 का आगाज हो गया है। रात में जैसे ही घड़ी में 12 बजे लोग जश्न में डूब गए। कई जगहों पर जबरदस्त आतिशबाजी की गई। कश्मीर से लेकर कन्याकुमार तक 2024 की विदाई और 2025 के स्वागत में लोगों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। इसी कड़ी में धर्म की नगरी प्रयागराज में लोगों ने संगम में स्नान के बाद मंदिर में पूजा अर्चना की, उसके बाद लोगों ने विश्व कल्याण की कामना के साथ नए काम की शुरूआत की। आप को बता दें कि महाकुंभ मेला 2025 का 13 जनवरी से शुरू होगा इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। यह मेला 26 फरवरी, 2025 तक चलेगा। इसे लेकर सीएम योगी ने मंगलवार को दौरा किया। महाकुंभ मेला में मुख्य स्नान पर्व पर कोई प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा और इस अवसर पर पूज्य संतों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी। प्रयागराज में महाकुंभ के दृष्टिगत समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेला लगभग आकार ले चुका है और 7,000 से अधिक संस्थाएं यहां आ चुकी हैं। डेढ़ लाख से अधिक टेंट की व्यवस्था मेला प्राधिकरण की ओर से की गई है। देश-दुनिया से लोग प्रयागराज महाकुंभ में आने के लिए उत्सुक हैं। 144 वर्ष के बाद महाकुंभ का यह मुहूर्त आ रहा है और इसके लिए हर प्रकार की व्यवस्थाएं भाजपा सरकार द्वारा यहां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने प्रयागवासियों से आतिथ्य सेवा के साथ ही महाकुंभ के दौरान स्वच्छता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता और आतिथ्य सेवा का जो उदाहरण उन्होंने 2019 के कुंभ में प्रस्तुत किया, उससे अच्छा अवसर इस बार उनके सामने आ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक की सुरक्षा और सुविधा को शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए कहा, महाकुंभ में कोई भारतीय हो या विदेशी, प्रवासी भारतीय हो या प्रयागराजवासी, बिना भेदभाव सबकी सुरक्षा-सबकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रमुख स्थानों पर अलाव न जलवाने पर सीआरओ ने व्यक्त की नाराजगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर में सीआरओ अजय कुमार अम्बष्ट ने नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में बने अस्थाई रैन बसेरा व अलाव की व्यवस्था का निरीक्षण किया। कई सामूहिक स्थानों पर अलाव न जलने पर नाराजगी जताई। बीते बुधवार की देर रात सीआरओ अजय कुमार अम्बष्ट नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में बने अस्थाई रैन बसेरा का निरीक्षण करने पहुंच गए। रैन बसेरा की व्यवस्था संतोष जनक न मिलने पर सीआरओ ने नाराजगी जताई। वहीं जब अलाव व्यवस्था की जांच की गई तो गौरा बाजार के कई प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं मिली। यहां व्यापारी व दुकानदार अपने निजी संसाधन से अलाव की व्यवस्था किए थे। जिस पर ईओ पर कड़ी नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द व्यवस्थाओं में सुधार करवा लेने का निर्देश दिया। सीआरओ अजय कुमार अम्बष्ट ने बताया कि निरीक्षण किया गया है। जो भी खामियां मिली है उन्हें सुधार का निर्देश दिया गया है।

वाराणसी में प्रभारी-मंत्री सुरेश खन्ना ने अफसरों को लगाई फटकार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के प्रभारी और सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को विकास कार्यों की समीक्षा की। स्थानीय विधायक डा.नीलकंठ तिवारी के साथ दो साल से चल रहे रविंद्रपुरी सड़क निर्माण की प्रगति देखी और लेटलतीफी पर अफसरों को फटकार लगाई। अफसरों को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए जनता की दुश्वारियां कम करने का निर्देश दिया। कार्यस्थल पर दिन की तीन शिफ्ट में काम कराने।ज्यादा श्रमिक रखने और एक हिस्सा तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं, निमार्णाधीन सड़क की समस्या को लेकर परेशान लोगों की समस्याएं सुनी और जल्द से जल्द काम पूरा कराने का वादा किया। इसके साथ ही और विकास कार्यों की समीक्षा करने यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना शुक्रवार सुबह वाराणसी पहुंचे। सर्किट हाउस में भाजपा विधायक और एमएलसी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सभागार में समीक्षा बैठक शुरू हुई। वाराणसी के सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक करते सुरेश खन्ना। वाराणसी सर्किट हाउस में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी विभागों के अफसरों, विधायकों ने सहभागिता की। प्रभारी मंत्री ने सबसे पहले जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा शुरू की। उनसे शहर की प्रमुख समस्याएं जानी और जनता के सुझावों पर भी चर्चा की। विभागों के अधिकारियों से उनके काम की प्रगति पूछी। काशी के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु और रविंद्र जायसवाल, मेयर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, अजगरा विधायक टी. राम, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव समेत अन्य कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

नौ लोगों पर बिजली चोरी मामले में मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर में बिजली चोरी के आरोप विधुत विभाग की टीम ने नौ लोगों के खिलाफ विधुत चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। चेकिंग अभियान से ग्रामीण क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल रहा। मुंगराबादशाहपुर विधुत विभाग के जे.ई.अभिषेक केसरवानी, सुजानगंज के जेई अवधेश यादव व एसडीओ आलोक उपाध्याय के नेतृत्व में विधुत विभाग ने क्षेत्र के नारायणपुर, पूरामधु, हरिपुर, सुल्तानपुर, रामपुर भंभरा आदि क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें कुल 9 लोगों द्वारा चोरी से बिजली का उपयोग करते पाया गया जिनके विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। उपरोक्त चेकिंग अभियान से हड़कंप की स्थिति बनी रही। उपखंड अधिकारी आलोक उपाध्याय ने उपभोक्तओं से ईमानदारी से बिजली उपभोग करने और समय अपने बिलों का भुगतान करने की अपील की है। गई। चेकिंग टीम में हूबनाथ, प्रमोद, विनय, रामचंद्र, सलीम, भगत, लेखराज,अनुपम आदि विद्युत कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेतासराय पुलिस ने शांति भंग में आठ व्यक्तियो को किया गिरफ्तार

खेतासराया, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस टीम द्वारा शांति भंग में 08 व्यक्तियो (04 महिला, 04पुरूष)को गिरफ्तार कर न्यायालय किया गया चालान। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी / हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर अरबिन्द कुमार वर्मा एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना अन्तर्गत कुल 08 व्यक्तियो (04 पुरूष व 4 महिला) क्रमशः अचला देवी पत्नी गंगाराम, घनश्याम पुत्र गंगाराम, पतराजी देवी पत्नी कन्हई, परमिला पत्नी कमलेश राजभर, अनीता देवी पत्नी अखिलेश राजभर, कमलेश पुत्र कन्हई राजभर निवासीगण लेदरही थाना खेतासराय जौनपुर, सन्तलाल पुत्र स्व0 फिरन्ती, सचिन पुत्र सन्तलाल निवासीगण अर्जनपुर थाना खेतासराय जौनपुर। शान्ति व्यवस्था को शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत गिरफ्तार कर चालान अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया।

शातिर चोर को किया गिरफ्तार

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 247/24 धारा 305ए बीएनएस व मु0अ0सं0 4/25 धारा 303(2) बीएनएस का सफर अनावरण करते हुये अभियुक्त अरशद उर्फ कुल्ली पुत्र सोहराब उर्फ लल्लन निवासी शेखपुर अशरफपुर थाना खुटहन जौनपुर को एक देशी तमन्चा व कारतूस के साथ हरौडा तिराहे से गिरफ्तार कर अभियुक्त के कब्जे से मु0अ0सं0 247/24 धारा 305ए बीएनएस में चोरी गये मोबाइल वन प्लस की बरामदगी की गयी तथा मु0अ0सं0 4/25 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी गये बकरी को बेचकर प्राप्त धन में से 2100 रुपए नगद बरामद किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी कर अभियुक्त को सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

प्रो सौरभ पाल बने पूर्वांचल विश्वविद्यालय के चीफ वार्डन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एमसीए विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सौरभ पाल को विश्वविद्यालय का चीफ वार्डन बनाया गया है। इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने आदेश दिया कि प्रोफेसर सौरभ पाल को चीफ वार्डन नियुक्त किया है यह अगले आदेश तक विश्व विद्यालय के चीफ वार्डन बने रहेंगे । इस संबंध में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों विभागाध्यक्षों व अन्य जिम्मेदारों को पत्र जारी करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में एडीएम व एसीपी से मिला व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। चाइनीज मांझा प्रतिबंध के बावजूद शहर में बिक रहा है. इस मांझे की वजह से आएं दिन लोगों की जान जा रही है. हाल यह है कि इस मांझा वाली पतंगबाजी से राहगीरों का सड़क पर चलना दुभर हो गया है। जानलेवा बन चुका चाइनीज मांझा वाली पतंगबाजी के चलते ताबड़तोड़ हो रही दुघर्टनाओं से आक्रोशित वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व मे व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल एडीएम सीटी व ज्वाइंट सीपी से मिला। इस दौरान सौंपे गए पत्र में वाराणसी मे चाइनीज मांझे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी। अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि पतंग उड़ाने के शौक से किसी की जान नही जानी चाहिए। मगर वही शौक जब जानलेवा बन जाए तो इसको बंद कर देना ही जनहितकारी हैं। किसी के शौक के कारण इंसान तो इंसान बेजुबान निरीह पशु-पक्षी भी इसके मकड़जाल में फंसकर अपनी प्राण को त्यागते हैं। यह पूरी तरही से अपराध की श्रेणी में आता है। शासन वक्त-वक्त पर इसके खिलाफ कार्रवाई करती तो है लेकिन कुछ प्रसाशनिक अफसरो की मिलीभगत से चाइनीज माझा बेचने वालों की चांदी कट रही है। बाजार में खुलेआम धड़ल्ले से प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बिक रहा है। इसके हत्यारे कारोबारी कमाने के चक्क्र में लोगों के जान के दुश्मन बन गए है। ऐसे में पतंग के शौकीनों से विनम्र अपील है कि जनहित में मानवता को देखते हुए पतंग उड़ाने का परित्याग कर मानवता का परिचय दे।

व्यापारियों का कहना है कि न्यायालय द्वारा रोक के आदेश के बावजूद धड़ल्ले से यह प्रतिबंधित मांझा बिक रहा है। इससे इंसानों के साथ बेजुबान पशु-पक्षियों पर भी

बारहों महीने खतरा मंडराता रहता है। इससे रोजना दर्जनोंघटनाएं हो चुकी है, जिसमें मासूम बच्चे, युवक व वृद्ध की मौतें भी शामिल हैं। जबकि घायलों की अनगिनत घटनाएं हो चुकी है। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से ताजा उदाहरण रोज देखने और सुनने को मिल रहे हैं। इस जानलेवा मांझे से इतने लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता। ज्ञात और अज्ञात रूप में कई लोग गंभीर रूप से इसके शिकार हो चुके हैं और हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं से हम सब बहुत ही दुखी हो गये हैं। व्यापारियों की मांग है कि ऐसी घटनाओं को हत्या के श्रेणी मे लेते हुए कठोर कार्यवाही किया जाएं और चाइनीज मांझे से किसी की मृत्यु होने पर हत्या और घायल होने पर हत्या के प्रयास जैसे धाराओं मे मुकदमा चलाया पंजीकृत किया जाये। हत्या मे उपयोग होने वाली चाइनीज मांझे बेचने या रखने वाले जब पकड़े जाये तो उनपर भी कठोर कारवाई हो। वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंहब्बग्गाह ने कहा कि आगे की रणनीति तैयार हैं। चाइनीज मांझे की रोक के साथ ही पतंग उडाने पर ही रोक लगाने की अब जरुरत हैं। इस मौके पर वाराणसी व्यापार मंडल की शाखा युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता, राजीव वर्मा, मनीष गुप्ता, प्रिया अग्रवाल, जय प्रकाश राजभर, दिप्तिमान देव, शरद गुप्ता, एस.के. बहल, अनुभव जायसवाल, शरद श्रीवास्तव, अमन जायसवाल, अंबे सिंह आदि भी मौजूद रहे। मकर संक्रांति का पर्व मध्य प्रदेश में बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है. पतंगबाजी इस पर्व का एक अहम हिस्सा है, लेकिन इसके साथ जुड़ी कुछ खतरनाक घटनाओं के कारण जिला प्रशासन और पुलिस ने चाइना मांझे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है. वाराणसी के अपर पुलिस आयुक्त एस. चिनप्पा ने चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगाते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो भी व्यक्ति चाइनीज मांझे के साथ पकड़ा जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। इसके बावजूद, शहर के दालमंडी और अन्य इलाकों में इस प्रतिबंधित मांझे की बिक्री खुलेआम जारी है। सूत्रों के मुताबिक, बाजार में 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का चाइनीज मांझा स्टॉक किया जा चुका है। शहर के दालमंडी, लोहता, चेतगंज, आदमपुर और शिवपुर जैसे क्षेत्रों में चाइनीज मांझा थोक और फुटकर दोनों रूपों में बिक रहा है। प्रशासन के छापों में बड़ी मात्रा में मांझा बरामद होने के बावजूद, कठोर कार्रवाई की कमी के चलते यह अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा।

चाइनीज मांझा प्रतिबंध के बावजूद पूरे देश में बिक रहा है. हर साल इस मांझे की वजह से बहुत से लोगों को जान जाती है.

प्रदर्शनी में आंवले की बर्फी व मुरब्बा बनी पहली पसंद

प्रदर्शनी में कुल 113 स्टाल लगाये गये है, जिसमें 25 स्टाल खादी उद्योग एवं 88 स्टाल ग्रामोद्योगी उत्पाद के लगे है

वाराणसी। खादी का शब्द दिमाग में आते ही बीते जमाने की बात लगती है, लेकिन अब बुजुर्ग ही नहीं युवा भी खादी को अपना रहे हैं. खादी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार भी अपना अहम योगदान दे रही है. समय-समय पर खादी वस्त्रों की बिक्री बढ़ाने के लिए कई तरह की छूट और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है. कभी नेताओं की पहली पसंद बना खादी वस्त्र अब युवाओं को अपनी और आकर्षित कर रहा है.

उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा ह्लमंडलीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनीह्ल में आंवले की बर्फी व मुरब्बा लोगों की पहली पसंद बन गयी है। अर्बन हॉट प्रांगण, चौकाघाट में 10 जनवरी तक आयोजित इस प्रदर्शनी में अब तक एक करोड़ 35 लाख की बिक्री हो चुकी है। प्रदर्शनी में खादी वस्त्रों व ग्रामोद्योगी वस्तुओं की जमकर खरीदारी हो रही है। उपभोक्ता खादी पर 30 प्रतिशत छूट का लाभ उठा रहे है। प्रदर्शनी में मां मुंडेश्वरी म्यूजिक वाराणसी द्वारा भक्ति संगीत का गायन किया गया।

परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश दूरस्थ स्थानों के कामगारों द्वारा उत्पादित खादी ग्रामोद्योग सामानों की अधिक से अधिक बिक्री हो, ताकि उनकी आजीविका में सुधार हो सकें और महात्मा गाँधी जी का सपना साकार हो। प्रदर्शनी में कुल 113 स्टाल लगाये गये है, जिसमें 25 स्टाल खादी उद्योग एवं 88 स्टाल ग्रामोद्योगी उत्पाद के लगे है।

प्रदर्शनी में खादी के आधुनिक वस्त्र, खादी के बने कटिया, मूंगा और सूती वस्त्र, कुर्ता, पैजामा, शर्ट, गमछा, धोती, रूमाल, लूंगी, रजाई गददे, डिजाईनर साड़ियाँ, बनारसी साड़ियाँ काटन की साड़ियाँ और काश्मीरी शाल, सूट स्टाल, स्वेटर जैकेट एवं उत्तराखण्ड की ऊनी जैकेट एवं सहारनपुर के बने कम्बल, नक्काशीदार सोफा, बेड, दिवान झूला एवं लकडी के बने आधुनिक सामान, प्रतापगढ एवं वाराणसी के ऑवला से निर्मितं खाद्य सामग्री जैसे लडडू, बर्फी, कैंडी, सिरका एवं अचार जैसे आम का अचार नीबू का अचार, लहसून का आचार एवं अदरक आचार, कानपुर के बने चमडे के सामान जैसे जूता, चप्पल, बेल्ट, पर्स एवं आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों से बनी दवायें एवं चन्दन, चन्दन फेस पैक एवं रूदाक्ष, अंगूठी और दर्द नाशक तेल प्रदर्शनी में भारी छूट के साथ उपलब्ध है। प्रदर्शनी में आये हुए सभी लोगो से अनुरोध है कि स्वदेशी सामान खरीद कर इस देश को मजबूत बनाइये। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराना एवं विपणन में सहायता व बिक्री के लिये प्रोत्साहित किया जाना है। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी ने लोगो से मेला में पधारने हेतु अनुरोध किया है।

सावित्री बाई फुले पर कार्यक्रम संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।3 जनवरी 2025 को सम्राट अशोक क्लब भारत शाखा महिला विंग जौनपुर के तत्वावधान में नारी शिक्षा की जननी, भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, नारी मुक्ति की प्रणेता, समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले की 194 वीं जयंती पंचशील फ्लावर मंडी चाचकपुर सिपाह जौनपुर में बहुत ही उत्साह और हर्ष के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि गीता मौर्य विशिष्ट अतिथि शालिनी मौर्य और गोल्डी सिंह संयुक्त रूप से रही आकांक्षा मौर्य अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेखा मौर्य रही तो वही पूरे कार्यक्रम का संचालन विनीता मौर्य कुशलता पूर्वक किया, कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और अपने अपने वक्तव्य दिए। कार्यक्रम में सम्राट अशोक क्लब परिवार के सदस्य कन्हैया मौर्यसहित अन्य उपस्थित रहे। अन्त में सम्राट अशोक क्लब के जिलाध्यक्ष गंगा प्रसाद मौर्य शाखा जौनपुर आए हुए सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

भूकंप प्रभावित वानुअतु की मदद के लिए आगे आया भारत

नई दिल्ली। भारत ने वानुअतु में आए 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद देश को तत्काल 5 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। भारत की ओर से यह कदम उसकी ग्लोबल साउथ और भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफआईपीआईसी) के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

17 दिसंबर 2024 को दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित वानुअतु के तट के पास आए भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें जानमाल का बड़ा नुकसान हुआ। भारत की ओर से दी जाने वाली सहायता राशि से तटीय देश को पुनर्निर्माण और राहत कार्यों में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को मदद भेजने के फैसले की पुष्टि करते हुए कहा, भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच के तहत एक करीबी मित्र और भागीदार के रूप में और वानुअतु के मैत्रीपूर्ण लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में, भारत सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए 5 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता प्रदान करती है। मंत्रालय ने कहा, ह्यह्यभारत प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई कठिनाई और तबाही के समय वानुअतु के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। नवंबर 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित भारत की इंडो-पैसिफिक महासागर पहल (आईपीओआई) का एक महत्वपूर्ण स्तंभ आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन है। भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) के लिए प्रतिबद्ध है और इस क्षेत्र में एक जिम्मेदार और दृढ़ प्रतिक्रियाकर्ता (रिस्पोंडर) बना हुआ है।